जीवन दर्शन

सौंदर्य तो अस्थाई है
लेकिन मन आपका
जीवन भर साथ देता है।
एलिशिया मेकेडो

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

सोमवार 18 नवंबर, 2024 ■ वर्ष 13 ■ अंक 279 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

अजिंक्य नहीं श्रेयस अय्यर करेंगे मुंबई की कप्तानी, पृथ्वी शॉ ...

पृष्ठ 8 पर

मणिपुर हिंसा- एएफएसपीए हटाने की मांग, खड़गे बोले- मणिपुर ना एक, ना सेफ

एनपीपी ने भाजपा से समर्थन वापस लिया, सरकार को खतरा नहीं

इंफाल/आइजोल ■

मणिपुर में 3 महिला और 3 बच्चों के शव मिलने के बाद हिंसक प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच राज्य की भाजपा सरकार में शामिल नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन वापसी का ऐलान किया है। 60 सदस्यों वाली मणिपुर विधानसभा में एनपीपी के 7 सदस्य हैं, जो भाजपा सरकार को समर्थन दे रहे थे। भाजपा के पास 32 सदस्य हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 31 हैं। ऐसे में सरकार को फिलहाल खतरा नहीं है। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह नागपुर की चार रैलियां रद्द कर दिल्ली लौट आए हैं। वे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग करेंगे। वहीं, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल प्रमुख अनीश दयाल को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा जा रहा है।

लग सकता है राष्ट्रपति शासन

इसी बीच राज्य सरकार ने केंद्र से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) वापस लेने को कहा है। हिंसा के कारण केंद्र सरकार ने 14 नवंबर को इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, जिरीबाम, कांगपोकपी और बिश्नुपुर जिलों के सेकमाई, लामसांग, लामलाई, जिरीबाम, लीमाखोंग और मोइरांग पुलिस थाना इलाकों में एएफएसपीए लगाया था। 16 नवंबर को सीएम एन बीरेन सिंह और 10 विधायकों के घरों पर हमले हुए। हालात बिगड़ते देख 5 जिलों में कर्फ्यू और 7 जिलों में इंटरनेट सर्विस बंद है। इस बीच, कुछ मंत्रियों सहित भाजपा के 19 विधायकों ने बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा है। सूत्रों के अनुसार अगले दो-तीन दिन में हालात और बिगड़े तो प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग सकता है। 16 नवंबर को जिरिबाम में बराक नदी के तट से दो महिलाओं और एक बच्चे का शव मिला था। शक है कि इन्हें 11 नवंबर को कुकी उग्रवादियों ने जिरीबाम से अपहृत किया था। 11 नवंबर को ही सुरक्षाबलों ने 10 बंदूकधारी उग्रवादियों को मार डाला था। जबकि कुकी-जो संगठन ने इन 10 लोगों को विलेज गार्ड बताया था। 15 नवंबर की रात भी एक महिला और दो बच्चों के शव मिले थे।

अमित शाह ने मणिपुर के हालात की समीक्षा की

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मणिपुर में हिंसा के ताजा मामलों के बीच सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने शीर्ष अधिकारियों को पूर्वोत्तर राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया. अमित शाह ने महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियां रद्द करके लौटने के तुरंत बाद बैठक की. सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री सोमवार को दोपहर 12 बजे शीर्ष अधिकारियों के साथ एक और अहम बैठक करेंगे.

खड़गे बोले- मणिपुर में डबल इंजन की सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मणिपुर में आपकी (भाजपा की) डबल इंजन सरकार है। ना मणिपुर एक है, ना मणिपुर सेफ है। मई 2023 से यह अकल्पनीय दर्द, विभाजन और बढ़ती हिंसा से गुजर रहा है, जिसने इसके लोगों का भविष्य नष्ट कर दिया है।

दिल्ली में एक्यूआई 450 पार, यह 'बहुत गंभीर' श्रेणी

10वीं-12वीं को छोड़कर सभी क्लासेस ऑनलाइन होंगीं, 50% नौकरी पेशा को वर्क फ्रॉम होम दे सकते हैं

नई दिल्ली ■

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार गंभीर होता जा रहा है। रविवार शाम को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 450 के पार दर्ज किया गया, जो बेहद गंभीर श्रेणी में आता है। इसके चलते कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने 18 नवंबर 2024 की सुबह 8 बजे से दिल्ली-एनसीआर में संशोधित ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे फेज को लागू करने का ऐलान किया है।

दिल्ली सीएम आतिशी ने रविवार रात ऐलान किया है कि सोमवार से दिल्ली के सभी स्कूलों में 10वीं और 12वीं को छोड़कर बाकी सभी क्लासेस ऑनलाइन होंगीं। अब तक 5वीं तक क्लासेस ऑनलाइन मोड में लग रही थीं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर राज्यों में सरकारी, नगर निगम और निजी कार्यालयों में कर्मचारियों की संख्या आधी करने पर भी विचार किया जा रहा है। 50% कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति दी जा सकती है।

37% प्रदूषण पराली जलाने की वजह से

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक, रविवार सुबह 7 बजे दिल्ली की 14 लोकेशन पर एक्यूआई 400+ दर्ज किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में 37% प्रदूषण दिल्ली और आसपास के राज्यों में पराली जलाने से हुआ है। वहीं, 12% पॉल्यूशन की वजह गाड़ियों से होने वाला कार्बन उत्सर्जन है।

न्यूज ब्रीफ

भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की करेंगे मांग, यूनुस ने कहा- मुकदमा भी चलाएंगे

ढाका। बांग्लादेश के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस ने रविवार को कहा कि उनका प्रशासन अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत से प्रत्यर्पण की मांग करेगा। यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह के दौरान सैकड़ों मौतों के लिए हसीना सहित जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाएगी। हसीना के देश से भागने के तीन दिन बाद आठ अगस्त को यूनुस ने सत्ता संभाली थी। मोहम्मद युनूस ने कहा कि न केवल विद्रोह में हुई मौतें, बल्कि हसीना के सत्ता में रहने के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघनों की जांच की जाएगी। बांग्लादेश ने हसीना और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए रेड नोटिस जारी करने में इंटरपोल से मदद मांगी है। यूनुस ने कहा, "हम भारत से शेख हसीना की वापसी की मांग करेंगे।

केरल में एंबुलेंस का रास्ता रोकने पर 2.5 लाख रुपये का लगा जुमार्ना

केरल में एंबुलेंस का रास्ता रोकने के मामले में एक व्यक्ति का लाइसेंस रद्द कर दिया और उस पर 2.5 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया। ये घटना एंबुलेंस में लगे कैमरे में कैद हुई थी, इस आधार पर केरल पुलिस ने शख्स पर कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, केरल पुलिस की तरफ से एक सख्त कदम उठाते हुए, त्रिशूर के रहने वाले शख्स का लाइसेंस रद्द कर दिया गया और उसे एंबुलेंस को रोकने के लिए 2.5 लाख रुपये का भारी जुमार्ना लगाया गया। यह घटना 7 नवंबर को चालाकुडी इलाके में हुई थी, जिसमें ड्राइवर ने कथित तौर पर त्रिशूर मेडिकल कॉलेज के रास्ते में एक एंबुलेंस को रास्ता नहीं दिया था, हालांकि कुछ रिपोर्टों से पता चला कि एंबुलेंस पोन्नानी से आ रही थी।

'मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा, प्रधानमंत्री कांग्रेस के खिलाफ आरोपों को साबित कर दें'

सोलापुर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने रविवार को महाराष्ट्र के सोलापुर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी को खुली चुनौती दी और कहा कि अगर उनके आरोप सच साबित होते हैं तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सरकार ने राज्य के लोगों को 'लूटा' और महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार में पैसे का इस्तेमाल किया। सिद्दरमैया ने कहा कि यह आरोप सरासर झूठ हैं। सिद्दरमैया ने कहा, ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आते हैं, सरासर झूठ बोलते हैं और चले जाते हैं। अगर वह अपने आरोपों को साबित कर देते हैं तो मैं राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दूंगा। मोदी मेरी चुनौती क्यों नहीं स्वीकार करते? उन्हें किस बात का डर है?

सिद्दीकी हत्या मामले में गुजरात का शख्स गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने रविवार को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में महाराष्ट्र के अकोला से एक शख्स को गिरफ्तार किया है, जो गुजरात का रहने वाला है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 25 हो गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपराध शाखा के एक अधिकारी ने बताया कि गुजरात के आणंद जिले के पेटलाद निवासी सलमानभाई इकबालभाई वोहरा को अकोला में बालापुर से गिरफ्तार किया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर को बांद्रा पूर्व के निर्मल नगर में हत्या कर दी गई थी।

मोदी को नाइजीरिया का दूसरा सर्वोच्च सम्मान मिला

बोले- यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों और दोनों देशों के बीच मित्रता को समर्पित

अबुजा ■

नाइजीरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दूसरे सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' से नवाजा है। रविवार को नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टिनूबू ने पीएम मोदी को सम्मानित किया। पीएम मोदी ने इस सम्मान को भारत-नाइजीरिया के रिश्तों को समर्पित किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा- 'मैं नाइजीरिया के राष्ट्रीय सम्मान के लिए नाइजीरिया सरकार और नाइजीरिया की जनता का दिल से आभार व्यक्त करता हूं। यह सम्मान मैं 140 करोड़ भारतीयों और भारत-नाइजीरिया की गहरी मित्रता को समर्पित करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी नाइजीरिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का आखिरी दिन है। उन्होंने रविवार सुबह नाइजीरिया के राष्ट्रपति के साथ राष्ट्रपति भवन में बैठक की थी। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने कहा था, 'नाइजीरिया में रह रहे 60 हजार से ज्यादा भारतीय दोनों देशों के बीच मजबूत कड़ी हैं। उन्हें संभाल कर रखने और देखभाल करने के लिए मैं नाइजीरिया का धन्यवाद करता हूं।'

नाइजीरिया में रहने वाले भारतीयों को जनवरी में भारत आने का न्यौता

प्रधानमंत्री ने नाइजीरिया के अबुजा में भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा- 'जब भारत ने पहली बार जी20 की अध्यक्षता संभाली, तो हमने अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाने के लिए सब कुछ किया और भारत इसमें सफल रहा। मुझे खुशी है कि हर सदस्य जी20 देश ने भारत के कदम का समर्थन किया। जी20 का अतिथि सदस्य होने के नाते नाइजीरिया उस ऐतिहासिक पल का गवाह बना।' पीएम ने नाइजीरिया में रहने वाले भारतीयों को जनवरी में भारत आने का न्यौता दिया।

फडणवीस के बाद बोले-शिंदे मैं मुख्यमंत्री की रेस में नहीं

मुंबई ■

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव प्रचार में सभी पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के एक बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। सीएम एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा बयान दिया है। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने पर सीएम कौन होगा? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैं सीएम पद की रेस में नहीं हूं। लेकिन सीएम महायुति का ही होगा। बता दें कि एक दिन पहले महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी यही बात कही थी। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि कांग्रेस की नीति फूट डालो राज करो की है। बाला साहेब ठाकरे को राहुल गांधी हिंदू सम्राट कब कहेंगे? सीएम शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे कहते थे कि मैं अपनी पार्टी को कभी भी कांग्रेस नहीं बनने दूंगा, लेकिन उद्धव ठाकरे खुद के स्वार्थ और सीएम बनने के लिए कांग्रेस के साथ चले गए।

अमरावती में नवनीत राणा पर भीड़ का हमला

अमरावती ■

महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा पर 16 नवंबर की रात करीब 10 बजे हमला हुआ। अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत दरियापुर निर्वाचन क्षेत्र के खल्लर गांव में भाजपा उम्मीदवार रमेश बुंदिले के लिए वोट मांगने पहुंची थीं। भीड़ ने वहां कुर्सियां फेंकी और अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाए और हंगामा किया।

नवनीत ने कहा- हम खल्लर में शांतिपूर्ण तरीके से प्रचार कर रहे थे। मेरे भाषण के दौरान कुछ लोगों ने अभद्र इशारे किए। नवनीत ने कहा कि हमले में पार्टी के कई लोग घायल हुए। मुझ पर थूका गया, जो एक सुरक्षाकर्मी की वर्दी पर गिरा। सुरक्षाकर्मियों ने मुझे बचाया। हमने शिकायत दर्ज कराई है। अगर जल्द ही किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया तो अमरावती का पूरा हिंदू समुदाय यहां इकट्ठा होगा। अमरावती ग्रामीण एसपी विशाल आनंद ने कहा कि इस मामले में 45 लोगों के खिलाफ दंगा, हत्या के प्रयास और भारतीय न्याय संहिता और एससी-सीटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। 3 लोगों को हिरासत में हैं। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे हमलावरों की पहचान की जा रही है।

दिल्ली के परिवहन मंत्री गहलोत ने आप से दिया इस्तीफा, बोले- और कोई विकल्प नहीं बचा था

नई दिल्ली ■

आम आदमी पार्टी को आज सुबह ही एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को इस आशय का एक पत्र लिखते हुए पार्टी व सरकार पर कई आरोप भी लगाए। कैलाश गहलोत ने पत्र में आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी अपना समय केंद्र से विवाद करने में ही व्यतीत करती रहती है। यह हर समय केंद्र से आरोप-प्रत्यारोप में उलझी रहती है। इससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

गहलोत ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी की रुचि जनता से किए वादों को पूरा करने में नहीं है। पार्टी अपना समय केवल केंद्र सरकार से वाद-विवाद करने में ही नष्ट करती रहती है। केंद्र सरकार से तालमेल न होने के कारण जनहित के कार्य नहीं हो पाते। जनता को जो सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए, वह उसे नहीं मिल पाती। गहलोत ने पत्र में यमुना सफाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जनता से वादा करने के बावजूद दस साल में भी हमारी सरकार इस दिशा में कोई सार्थक कदम नहीं उठा सकी। दिल्ली में यमुना की हालत बद से बदतर ही होती गई। दस सालों में प्रदूषण कम होने की बजाय बढ़ता ही गया। हम जनता से किए वादे को पूरा नहीं कर पाए।

व्यंग्य : बीजेपी संविधान को नष्ट कर देगी : क्या है सच ..?

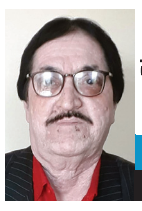

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से चुनाव आयोग ने दोनों दलों के स्टार प्रचारकों के आरोपों पर 18 नवंबर तक जवाब मांगा है. बीजेपी व आरएसएस संविधान को नष्ट कर देंगे. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में चुनाव रैली में 6 नवंबर को ऐसा कहा था,लेकिन देश के लोगों को ध्यान रखना होगा कि संविधान को नष्ट करने का कार्य तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के दौर में आपातकाल के दौरान लाए गए 42 वें संशोधन विधेयक के साथ हुआ था, जिसे ' मिनी संविधान भी कहा गया था..?

संविधान नष्ट में कांग्रेस का हाथ : आरोप बीजेपी पर : देना होगा जवाब ..?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बार बार संविधान की दुहाई देते हैं और 6 नवंबर को महाराष्ट्र में एक चुनाव रैली में बीजेपी व आरएसएस पर संविधान नष्ट करने का जो आरोप लगाया उसका जवाब कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को देना होगा, जो गोलमाल हो सकता है, क्योंकि संविधान को नष्ट करने की कोशिश का सबसे बड़ा उदाहरण 42 वां संशोधन रहा है.तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासन में इमरजेंसी के दौरान 42वां संशोधन हुआ था. उस वक्त ऐसा लगा था कि इस संशोधन के द्वारा सरकार कुछ भी बदल सकती है. यही वजह है कि इसे मिनी संविधान भी कहा जाता है. इसमें संविधान की प्रस्तावना में तीन नए शब्द- समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए थे. 42वें संशोधन के सबसे विवादास्पद प्रावधानों में से एक था- मौलिक अधिकारों की तुलना में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों को वरीयता देना. इस प्रावधान के कारण किसी भी व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकारों तक से वंचित किया जा सकता था. इस संशोधन ने न्यायपालिका को पूरी तरह से कमजोर कर दिया था. जबकि विधायिका को अपार शक्तियां दे दी गई थीं. केंद्र सरकार को यह भी शक्ति दे दी गई थी कि वो किसी भी राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर कभी भी सैन्य या पुलिस बल भेज सकती थी. दूसरी तरफ राज्यों के कई अधिकारों को केंद्र के अधिकार क्षेत्र में डाल दिया गया.न्यायपालिका तक को कमजोर करने की ऐसी कोशिश संविधान को नष्ट करना ही कहा जा सकता है और यह काम कांग्रेस के दौर में ही हुआ, जबकि बीजेपी पर आरोप लगाने के पीछे कांग्रेस का डर ही है कि बीजेपी कहीं 42 वें संशोधन के मनमाने प्रस्ताव को ना बदल दे. वैसे ऐसी कोशिश जनता पार्टी ने 43 व 44 वें संशोधन के साथ की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने दो संशोधन असंवैधानिक भी घोषित किए थे. खैर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को दो और आरोप के जवाब भी देना होंगे जिसमें राहुल गांधी ने महाराष्ट्र से उद्योगों को गुजरात ले जाने का आरोप लगाया और सभी कुलपति आरएसएस से ही होने का भी आरोप लगाया है जबकि बीजेपी अध्यक्ष नड्डा को भी जवाब देना है कि बीजेपी क्यों कांग्रेस पर एससी, एसटी व ओबीसी के आरक्षण छीनने का आरोप लगाती है, जाति के आधार पर मतदाताओं को क्यों भड़काती है..?खैर दोनों दलों के अध्यक्ष क्या जवाब देते हैं देखना है..?

स्वदेशी हाइपरसोनिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग, 1500 किलोमीटर से ज्यादा रेंज

नई दिल्ली/भुवनेश्वर ■

डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने शनिवार रात लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल की सफल टेस्टिंग की। इसका वीडियो शेयर करते हुए डीआरडीओ ने बताया कि ओडिशा के तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम आजाद द्वीप से मिसाइल को ग्लाइडेड व्हीकल से लॉन्च किया गया।

मिसाइल की फ्लाइट ट्रेजेक्टरी की ट्रैकिंग के बाद टेस्टिंग सफल मानी गई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार सुबह एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा- इस मिसाइल की सफल टेस्टिंग से भारत उन चुनिंदा देशों के ग्रुप में शामिल हो गया, जिसके पास ऐसी सैन्य तकनीक है। यह एक बड़ी उपलब्धि है और यह देश के लिए एक ऐतिहासिक पल है। लंबी दूरी की इस हाइपरसोनिक मिसाइल की रेंज 1500 किलोमीटर से ज्यादा है। इस मिसाइल से हवा, पानी और जमीन तीनों जगहों से दुश्मन पर हमला किया जा सकता है। लॉन्च के बाद इसकी रफ्तार 6200 किलोमीटर प्रतिघंटे तक पहुंच सकती है, जो साउंड की स्पीड से 5 गुना ज्यादा है। भारत भी कई वर्षों से हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने में जुटा है। डीआरडीओ ने 2020 में एक हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटेड व्हीकल (एचएसटीडीवी) का सफल परीक्षण किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत एचएसटीडीवी का इस्तेमाल करके अपनी हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने की ओर बढ़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा परीक्षण शिविर आयोजित

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु हिज होलिनेस सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन की मंशा अनुसार सभी समाजवासी सेहतमंद रहे इसके लिए उमूर सेहत द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा परीक्षण शिविर का न्यु सैफी नगर मरकज में आमिल शेख शब्बीरभाई कांच वाला एवं मसाकीन सैफिया टाऊन शीप में आमिल शेख शब्बीरभाई लुनावाडा ने शुभारंभ किया। समाज की जनसंपर्क समिति इंदौर के मीडिया प्रभारी बुरहानुद्दीन शकरुवाला ने बताया कि दोनों स्थानों पर आयोजित शिविर में 500 से अधिक समाजवासी लाभान्वित हुए। शेख मोहम्मद कुंवरजी एवं डॉ मुफ्ज्जल रस्सी वाला ने बताया की न्यु सैफी नगर मरकज शिविर में शैल्बी हास्पिटल की टीम के डॉ शेख सैफी रामपुरावाला, डॉ मुतुर्जा रस्सीवाला, डॉ मोहम्मद अली, डॉ मुफज्जल रस्सीवाला, डॉ मेहलम कौसर, डॉ अभिषेक मालवीय, डॉ मुनीरा कौसर, डॉ काईद जौहर मैमून, डॉ जैनब सैफी, डॉ मोईज रामपुरावाला ने एवं मसाकीन सैफिया टाऊन शीप में आनंद हास्पिटल टीम के डॉ मुफज्जल रस्सीवाला, डॉ कृष्णा मीणा, डॉ सुबीर जैन, डॉ भगवान सिंह ठाकुर, डॉ फातेमा चाहवाला, डॉ हुसैन रतलामवाला, डॉ अब्दुल कादिर अटारी, डॉ पंकज लेखवानी, डॉ सारिका लेखवानी ने लोगो का निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा परीक्षण कर उचित परामर्श दिया। शिविर में बीपी, शुगर, ईसीजी , बोन सघनता, लंग्स फंक्शन, नेत्र रोग की निःशुल्क जांच की गई। सैफी एम्बुलेंस कार्प के जौहर मुरब्बी, कुतुबुद्दीन मटका वाला, तस्नीम मुरब्बी, समीना मटका वाला व फातिमा नादिर एवं बुरहानी डायग्नोस्टिक के हुसैन रामपुरावाला व इब्राहिम फखरी ने विशेष योगदान प्रदान किया। इस अवसर पर शेख खुजेमा मटका वाला, सैफुद्दीन चकेरा, हुजैफा कांच वाला, हैदर पाटन वाला, अली अकबर मंदसौर वाला व शब्बीर पाटन वाला विशेष रूप से उपस्थित थे।

बच्चों को निमोनिया रोग से बचाव के लिए शुरू हुआ सांस अभियान

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। बच्चों को निमोनिया रोग से बचाव तथा जागरूकता के लिए सांस अभियान संचालित किया जा रहा है। सांस अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या द्वारा किया गया। यह अभियान 28 फरवरी 2025 तक जिले में चलाया जाएगा। डॉ. सैत्या ने बताया कि 05 वर्ष तक के बच्चों में सबसे अधिक मृत्यु का कारण निमोनिया संक्रमण होता है। इस आयु वर्ग के बच्चों में 17.4 प्रतिशत मृत्यु निमोनिया के कारण होती है। निमोनिया से होने वाली मृत्यु को 03 प्रति हजार जीवित जन्म पर लेकर आना है और इस अभियान के माध्यम से बच्चों की निमोनिया से होने वाली शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, श्रम विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग का सहयोग लिया जाकर व्यापक जागरूकता के प्रयास किए जाएंगे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता ने बताया की अभियान के दौरान समुदाय आधारित गतिविधियाँ एवं गृह भेंट के माध्यम से निमोनिया की पहचान एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा की जाकर उपचार तथा परामर्श प्रदान किया जाएगा। गंभीर निमोनिया होने पर संस्था आधारित सेवाओं के लिए रैफर किया जायेगा। संस्था स्तर पर निमोनिया का उपयुक्त उपचार उपलब्ध करवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि निमोनिया से बचाव के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निमोनिया संबंधी लक्षणों जिसमें शीत ऋतु में बच्चों को श्वसन संबंधित समस्याएं होने, शिशु के स्तनपान करने में असमर्थ होने, तेज सांस, गंभीर रूप से पसली का धंसना, सुस्त या बेहोश होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र अथवा संस्था पर चिकित्सक से सम्पर्क करें।

इंदौर से सागर और भोपाल रुट पर चलने वाली यात्री बसों की सघन चेंकिंग

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों/बसों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। जिसमें वाहनों के फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र आदि चेक किये जा रहे हैं। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि आज विशेष रूप से नवलखा बस स्टैंड से संचालित बसों की चेकिंग की गई। इंदौर से सागर, इंदौर से भोपाल रूट की बसों की भी चेकिंग की गई। यात्रियों से अधिक किराया लेने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने, बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 20 से अधिक वाहनों पर जुमार्ना लगाया गया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने के लिए ई-केवाईसी एवं आधार बैंक खाता लिंकिंग अनिवार्य

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत बहुत से किसानों ने अभी तक ई-केवाईसी और आधार बैंक खाता लिंकिंग नहीं कराया हैं। इस योजना का लाभ किसानों को साल 2019 से दिया जा रहा है, योजना का लाभ पाने के लिए ई-केवाईसी और आधार बैंक खाता लिंकिंग अनिवार्य कर दिया गया है। सभी हितग्राही किसानों को अगले 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से अपनी ई-केवाईसी और आधार बैंक खाता लिंकिंग कराने का आग्रह किया गया है। अगर किसान निर्धारित समय के भीतर यह प्रक्रिया पूरी नहीं करते हैं, तो वे इस योजना के लाभ से वंचित रह जाएंगे और इसके लिए उनकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। ई-केवाईसी के लिए किसान अपनी संबंधित तहसील में संपर्क कर सकते हैं, जबकि आधार बैंक खाता लिंकिंग के लिए उन्हें संबंधित बैंक शाखा में जाना होगा।

आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का53 वां आचार्य पदारोहण दिवस एवं मुनिसंघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह संपन्न हुआ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज मुनि श्री संधान सागर महाराज के इंदौर शहर के एतिहासिक चातुर्मास उपरांत संघ सानिध्य में आचार्य गुरूदेव श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के 53वां आचार्य पदारोहण दिवस पर आचार्य विद्यासागर सभा मंडप विजय नगर इंदौर में पिच्छिका परिवर्तन समारोह के साथ मनाया गया। मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज की पुरानी पिच्छिका अशित अर्चना वैनाड़ा कोलकाता,को मिली एवं नयी पिच्छिका महामंत्री हर्ष तृप्ति जैन ने प्रदान की तथा निर्वेग सागर महाराज की पुरानी पिच्छिका विशाल एवं स्वेता जैन इंदौर को मिली, मुनि श्री संधान सागर महाराज की पुरानी पिच्छिका विशाल काजल जैन को प्राप्त हुई।

इस अवसर पर मुनि श्री ने आचार्य गुरुदेव के महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये कहा उन्होंने जो जीवन जिया वह हम सभी के लिये प्रेरणा स्त्रोत है, उन्होंने कहा कि हर पल उनका साथ है,हर क्षण उनका साथ है, मुझे तो लगता है वह मेरी हर श्वांस में मौजूद है, इस अबसर पर मंच से भामाशाह अशोक पाटनी एवं श्री मति सुशीला पाटनी तथा इंदौर के भरत कुसुम मोदी को श्रावक शिरोमणि की उपाधि से विभुषित गया प्रसस्ती बाचन ब्र अशोक भैया ने किया ब्र.अभय भैया एवं अशोक भैया का समाज द्वारा सम्मान किया गया। इसी के साथ अतुल शीतल लादानी गुजरात, चंद्रकला पाटनी,रांची का सम्मान किया गया इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि पिच्छिका संयम का उपकरण है जो कि जीव रक्षा के लिये प्रत्येक मुनि के हाथ में रहती है। हमारे आचार्य गुरुदेव ने पिच्छिका परिवर्तन के इस कार्यक्रम को संयम से जोड़ दिया जिससे इसमें संयम की प्रमुखता है मुनि श्री कहा कि मुनिओं के हाथ में पिच्छिका क्यों होती है पर मुनि श्री ने कहा कि हम अहिंसा के उपासक है मयूर पंख बहूत कौमल होते है तथा वह इन पंखों को स्वं छोड़ते है जिनको एकत्रित करके श्रावकों द्वारा यह पिच्छिका प्रदान की जाती है। मुनिश्री ने सभी कार्यकताओं को आशीर्वाद देते हुये कहा कि मंच से सभी कार्यकताओं का नाम लैना सम्भव नहीं है जिन्होंने इस चातुर्मास में कार्य किया है उन सभी को मेरा आशीर्वाद है गुरु के चरणोंमें जाओ तो अपने आपको कृतार्थ करने जाना। धर्म प्रभावना समिति, सकल जैन समाज एवं विधान संयोजक धर्मेंद्र जैन (सिनकेम), गिरीश जैन (गिन्नी ग्रुप), अशोक-रानी डोसी, नवीन-आनंद गोधा, प्रचार प्रमुख राहुल जैन (स्पोर्ट्स वर्ल्ड) एवं प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया कि इस अवसर पर गुणायतन अध्यक्ष विनोद काला अशोक पांडया, कन्हैयालाल सेठी, एन सी जैन, सुभाष जैन,एन एल जैन दयोदय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम चंद्र प्रेमी राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन सहित संपूर्ण भारत से आऐ श्रद्धालुओं ने श्री फल आर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर इंदौर में छात्राओं के लिये छात्रावास बनाने की घोषणा की गई मुनि श्री ने कहा कि गुणायतन वृहद स्वरुप में आ रहा है पूरे भारत में लगभग 22000 हजार सदस्य है जो कि शिक्षा,स्वास्थ एवं छात्रों के लिये छात्रावास की और कार्य करना चाहते है तथा समाज के कमजोर वर्ग को ऊपर उठाना चाहते है में उन सभी सदस्यों को जो सेवा के इस क्षेत्र में आगे आना चाहते है उन सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान करता हूं। आगे गुणायतन में युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ का भी गठन किया जाऐगा।

सनातन धर्म और शिक्षा के प्रसार के लिए 137 देशों में कार्य जारी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि के बीके करुणा भाई के आतिथ्य में मीडिया परिसंवाद

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव एवं मीडिया विंग के प्रमुख बीके करुणा भाई ने कहा कि सनातन धर्म और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए 85 वर्ष पुरानी संस्था का विस्तार अब तक 137 देशों में हो गया है। 8500 से अधिक शाखाओं में भारतीय पुरातन संस्कृति की पुनर्स्थापना और आत्मीय शान्ति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

बीके करुणा भाई ओम शान्ति भवन, न्यू पलासिया में राष्ट्रीय विकास में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित परिसंवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद अपने-पराये की व्याख्या प्रत्येक इंसान भली-भांति समझ गया है। अब हमें समझना होगा कि सिर्फ अपना कर्म ही अपना सच्चा साथी है। मीडियाकर्मी स्वयं की आत्मा की शक्ति को जागृत कर सुख, शांति और समृद्धि की राह समाज को दिखाए। मीडिया विंग प्रमुख ने सभी मीडियाकर्मियों को वर्ष में दो मर्तबा माउंट आबू में आयोजित होने वाली मीडिया कांफ्रेंस का निमंत्रण भी दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मप्र-छग की जोन इंचार्ज राजयोगिनी डॉ. आरती दीदी ने कहा कि वर्तमान दौर में मीडिया में नकारात्मक खबरों को अधिक स्थान मिल रहा है। आध्यात्मिक और सकारात्मक खबरों के प्रकाशन का समाज में बेहतर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है ऐसे में समाज के अन्य स्तंभों की गतिविधियों पर नजर रखना और उसे सही दिशा देना भी बेहद जरूरी है। कार्यक्रम को पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा, अर्जुन सिंह बघेल, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, मीडिया को-ऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी चंदा बहन, स्टेट को-ऑर्डिनेटर मीडिया विंग आशीष गुप्ता ने भी संबोधित किया और कार्यक्रम का संचालन दिव्या विजयवर्गीय ने किया। अंत में डॉ. गौतम कोठारी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे। ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी मीडियाकर्मियों का माला एवं दुपट्टों से स्वागत किया। ब्रह्माकुमार अविनाश भाई ने गीत प्रस्तुत किया।

दूध व्यापारी को लगी नशे की आदत, कर ली आत्महत्या अनाथ हुए दो मासूम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के बापू गांधी नगर में एक दर्दनाक घटना घटी, जहां विक्की यादव नामक 35 वर्षीय दूध विक्रेता ने आत्महत्या कर ली। शनिवार रात विक्की ने बाथरूम में टीशर्ट का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। काफी देर तक बाथरूम से बाहर न आने पर उसकी पत्नी ने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने अपनी सास को बुलाया। दरवाजे का लॉक तोड़ने पर विक्की को अंदर मृत हालत में पाया गया। इसके बाद परिवार और पड़ोसियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

विक्की मवेशी पालन और दूध बेचने का काम करता था। उसके परिवार में पत्नी, दो छोटे बच्चे, मां और एक छोटा भाई हैं। बताया जा रहा है कि विक्की कुछ समय से नशे का आदी हो गया था, जिससे वह डिप्रेशन में रहने लगा था। पुलिस ने घटना स्थल की जांच के बाद बताया कि वहां से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जांच अभी जारी है। इंदौर में नशे के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पिछले कुछ समय में नशा करने वालों की संख्या में बहुत इजाफा हुआ है और पुलिस और प्रशासन भी नशा बेचने वालों पर सख्ती नहीं कर पा रहा है। विक्की की इस दुखद घटना से जिम्मेदारों को यह सबक लेना चाहिए कि हमें मानसिक स्वास्थ्य और नशे जैसी समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनके समाधान की दिशा में प्रयास करना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

इंदौर के दशहरा मैदान पर होगा नार्मदीय ब्राह्मण समागम, देश विदेश से जुटेंगे समाजजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में नार्मदीय ब्राह्मण समागम का आयोजन किया जा रहा है। 11 और 12 जनवरी को इंदौर के दशहरा मैदान पर आयोजित होने वाले नार्मदीय ब्राह्मण समागम में देश और विदेश से हजारों की संख्या में समाजजन जुटेंगे। इसमें समाज की संस्कृति और प्रगति की बात होगी।

इस आयोजन के लिए इंदौर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ। इसमें महापौर पुष्यमित्र भार्गव, महासभा अध्यक्ष अनिल शर्मा, पूर्व अध्यक्ष सुभाष महोदय, एनडी पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष जेपी शर्मा, नगर इकाई के अध्यक्ष प्रफुल्ल शर्मा और पूर्व रणजी खिलाड़ी देवाशीष निलोसे के साथ ही बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। इस मौके पर नार्मदीय समागम के मुख्य कार्यालय का शुभारंभ भी किया गया। साथ ही कार्यक्रम की वेबसाइट भी लॉन्च की गई। नार्मदीय ब्राह्मण समाज के आईटी प्रोफेशनल्स, उद्योगपति, वकील, राजनीतिक, फिल्म, कला एवं साहित्य जगत की नामी हस्तियां शिरकत करेंगी। बैठक में महापौर भार्गव ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही अलग-अलग विषयों पर चर्चा की जाएगी, इसमें अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े समाजजन अपने विचार रखेंगे। मां नर्मदा की प्रतिमा का अनावरण होगा समारोह में महिला और युवा सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा। नर्मदा चौराहे पर मां नर्मदा की भव्य प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। शोभा यात्रा भी निकाली जाएगी।

शिक्षक ही देश में अनुशासित, देशभक्त, संवेदनशील, प्रगतिशील विचारधारा से परिपूर्ण सभ्य विद्यार्थी और देश के गौरवशाली नागरिक का सृजनकर्ता होता है - डॉ. भरत शर्मा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

उक्त विचार संस्कृति मंत्रालय सदस्य - डॉ. भरत शर्मा ने प्रदेश के प्रतिष्ठित विद्यालय सैंट पॉल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव परिवर्तन २०२४ में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। आपने कहा मुझे आप अतिथि ना माने वरन इस विद्यालय का छात्र ही माने।

अपने विद्यालय में शिक्षण प्राप्त करने के बाद उसी विद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित होना किसी भी छात्र के लिए गौरवशाली क्षण होता है। आपने छात्रों को भविष्य में होने वाली शैक्षणिक और व्यावहारिक प्रतिस्पर्धा के लिए आज से ही तैयारी करने की प्रेरणा दी और छात्र को शिक्षण के अलावा, व्यावहारिक ज्ञान, अनुशासन, देशभक्ति, संवेदनशील और स्वावलंबी जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया। आपने कहा कि जब फिर कोई छात्र इसी विद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में पधारेगा वह क्षण ना केवल उसके लिए वरन विद्यालय के लिए भी यादगार क्षण रहेगा। आपने सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिलाओं के प्रति सामाजिक कुरीतियों के विषय में भारतीय संस्कृति की सीख देते हुए कहा की हमारी संस्कृति में नारी का सम्मान सर्वोच्च रखा गया है। यत्र पूज्यन्ते नारीयस्तु रमणते तत्र देवता श्लोक के माध्यम से नारी के प्रति सम्मान पर अपना विचार रखा। विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा भारतीय कुरीतियों, सामूहिक परिवार, योग, शिक्षा और उनके महत्व पर आधारित नाट्य और नृत्य के शानदार प्रदर्शन ने सबका मन मोह लिया। डॉ. भरत शर्मा का सम्मान श्रीफल और स्मृति चिह्न से विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर श्री सिबी जोसेफ ने किया। कार्यक्रम में मनीष दीक्षित (टीटू), इंडोथाई कमोडिटी के श्री बंडी, वीरेंद्र पुराणिक, विशिष्ठा शर्मा, राजेश जोसेफ और बढ़ी संख्या में छात्र छात्राएँ और उनके पालक मौजूद रहे।

कम में अधिक पाने की कला - भाग 2

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, कल हमने जाना था कि आज के व्यस्त और उपभोक्तावादी समाज में किस तरह दिखावा और सामान हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है और इसकी वजह से किस तरह आम भारतीय कर्जे के जाल में फँसता जा रहा है। साथ ही हमने यह भी जाना था कि अगर हम कम वस्तुओं और कम जरूरतों के साथ खुशहाल और संतुलित जीवन जीना सीख लें तो हम इस स्थिति से बच सकते है और इस जीवन शैली को ही हम मिनिमलिस्ट जीवनशैली कहते हैं।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दूसरे शब्दों में कहा जाये तो मिनिमलिस्ट जीवनशैली का अर्थ है मानसिक शांति के लिए आवश्यक कम से कम वस्तुओं के साथ जीवन जीना। जिससे आप अपने जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को प्राथमिकता देते हुए और ग़ैर ज़रूरी चीज़ों से दूर रहते हुए अपना जीवन जी सकें।

मिनिमलिस्ट जीवनशैली का सिद्धांत 4 मुख्य बिंदुओं पर आधारित है। पहला, कम चीजों के साथ जीना; दूसरा, सादगी पूर्ण जीवन जीना; तीसरा, अनुभवों पर जोर देना; चौथा, संगठित और व्यवस्थित जीवन जीना। दोस्तों, आज हम मिनिमलिस्ट जीवनशैली के चार प्रमुख फायदों और उसे अपनाने के चार प्रमुख सूत्रों पर चर्चा करेंगे। तो चलिए, शुरू करते हैं मिनिमलिस्ट जीवनशैली के फायदों से-

पहला फायदा - मानसिक शांति

अनावश्यक वस्तुएं जहाँ हमारे जीवन में तनाव और उलझनों को बढ़ाती है, वहीं कम वस्तुएं हमारा ध्यान अव्यवस्था से हटाकर महत्वपूर्ण चीजों पर केंद्रित करने में मदद करती है, जिसकी वजह से हम मानसिक रूप से शांत रह सकते हैं।

दूसरा फायदा - आर्थिक लाभ

मिनिमलिस्ट जीवनशैली में हम कम और आवश्यक वस्तुएं खरीदते हैं, जो हमें अनावश्यक खर्चों से बचाता है। इस अतिरिक्त बचत को हम दीर्घकालिक समय के लिए निवेश कर सकते हैं या नए अनुभव लेने के लिए खर्च कर सकते है।

तीसरा लाभ - पर्यावरण संरक्षण

जब हम कम वस्तुओं का उपभोग करते हैं, तो हम पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। कम सामान खरीदने से उत्पादन, ऊर्जा और कचरे में कमी आती है, जिससे पर्यावरण की रक्षा होती है।

चौथा लाभ - बेहतर रिश्ते

जब हम भौतिक वस्तुओं की जगह अपने जीवन में अनुभवों और रिश्तों को महत्व देते हैं, तो हमारे संबंध अधिक मजबूत और सार्थक हो जाते हैं। यह जीवनशैली हमें अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने और उनकी कद्र करने का अवसर देती है।

दोस्तों, अगर आप इस जीवनशैली को अपनाना चाहते हैं तो निम्न चार सूत्रों को अपना सकते हैं।

पहला सूत्र - धीमी शुरुआत करें- धीमी शुरुआत करना इस जीवनशैली को अपनाने का पहला और महत्वपूर्ण सूत्र है। सर्वप्रथम उपयोग में ना आने वाली अनावश्यक चीजों को हटायें और उन वस्तुओं को व्यवस्थित करते जायें जो आपके लिए महत्वपूर्ण हैं।

दूसरा सूत्र - जरूरत और चाहत के अंतर को समझें - चीजों को इकट्ठा करने या ख़रीदने के पीछे अक्सर चाह होती है, ना की जरूरत। इस अंतर को समझें और केवल उन्हीं चीजों को खरीदें जो सच में आवश्यक हों।

तीसरा सूत्र - डिजिटल मिनिमलिज्म- केवल भौतिक वस्तुएं ही नहीं, बल्कि डिजिटल दुनिया में भी मिनिमलिज्म अपनाया जा सकता है। अनावश्यक ऐप्स, नोटिफिकेशंस, और सोशल मीडिया पर बिताए गए समय को सीमित करें।

चौथा सूत्र - अनुभवों को प्राथमिकता दें - वस्तुओं की जगह अनुभवों को महत्व दें। नई चीजें खरीदने की बजाय, यात्रा पर जाएं, नए लोगों से मिलें, और जीवन को पूरी तरह से जियें।

अंत में मैं इतना ही कहना चाहूँगा दोस्तों कि मिनिमलिस्ट जीवनशैली हमें जीवन को सादा और सरल रखते हुए अधिक संतुष्ट और खुश रहने का मौक़ा देती है। मेरा तो यहाँ तक मानना है कि यह केवल एक जीवनशैली नहीं, बल्कि एक मानसिकता है, जो हमें अपने जीवन को अधिक संतुलित, शांत और सार्थक बनाने की प्रेरणा देती है। इससे हम कम में ही अधिक पाने की कला सीखकर, एक समृद्ध और सुखद जीवन जी सकते हैं। इसलिए मैं कहता हूँ, 'मिनिमलिस्ट जीवनशैली 'सादा जीवन उच्च विचार' की ओर एक कदम बढ़ाने का मौका देती है।'

एक ही रात में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 115 पकड़ाए

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में पुलिस ने शनिवार रात को काम्बिंग गश्त चलाई। इस दौरान शहर में हर प्रमुख चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इसमें पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाते 115 लोगों को पकड़ा और उनके कोर्ट चालान बनाए। सभी का दस से लेकर पंद्रह हजार का चालान बनाया गया।

पिछले कुछ समय से पुलिस लगातार वीकेंड पर शहर में कॉम्बिंग गश्त कर रही है। कल भी पुलिस ने शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर चेकिंग लगाई थी। लगातार कार्रवाई के बाद भी शहर के लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने से बाज नहीं आ रहे है। अब हर वीकेंड पर 100 से अधिक गाड़ियां पकड़ी जा रही हैं। इसके अलावा पुलिस ने कल रात अलग अलग टीमें बनाकर 1298 गुंडों के घर दस्तक दी। इसमें से 583 के खिलाफ कार्रवाई की गई। राजेंद्रनगर थाना क्षेत्र में एक वाहन चोर पुलिस के हाथ लगा। 330 वारंट तामिल किए गए। जिसमें 116 गिरफ्तारी वारंट थे। अवैध रूप से शराब बेचते 12 लोगों को पकड़ा गया।

हत्या के प्रयास का फरार वारंटी भी पकड़ा गया

इसके अलावा पुलिस ने 125 बदमाशों को पकड़ा उनका डोजियर भरवाया और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस की टीमों ने रात भर में 67 नकबजन, 68 लुटेरे, 34 ड्रग्स पैडलरों और 40 जिलाबदर बदमाशों की तलाशी ली। इसके अलावा खजराना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में फरार एक वारंटी भी पकड़ा गया है, उससे पूछताछ भी की जा रही है, उसे जेल पहुंचाया जाएगा।

नशा मुक्ति के क्षेत्र में एक लाख तक पुरुस्कार

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य में नशा मुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों और स्वैच्छिक संगठनों को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय विवेकानंद नशा मुक्ति पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें राज्य स्तरीय पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपये के दो पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे, जबकि प्रत्येक जिले में तीन पुरस्कार 10 हजार रुपये के होंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय ने इसके लिए योग्य संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 दिसंबर 2024 है। इसे संचालनालय के पते या ई-मेल पर जमा कराया जा सकता है।

53 प्रजातियों के वृक्ष काटने व परिवहन मामले में असमंजस की स्थिति

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2015 में 53 वृक्ष प्रजातियों को काटने और परिवहन से मुक्त करने का आदेश जारी किया। यह आदेश भारत सरकार की किसानों की आय बढ़ाने और वृक्षरोपण को बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम था। लेकिन उसी वर्ष इंदौर उच्च न्यायालय ने एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन को सुनते हुए उस पर स्टे दे दिया तब से वृक्ष प्रजातियों को काटने की अनुमति नायब तहसीलदार से लेने पर ही किसी वृक्ष को काटा जा सकता था तथा उन्हें परिवहन के लिए वन विभाग से परिवहन पास लेने पड़ते थे।

यहां तक नीलगिरी (Euclyptus) जो पूरे देश मे काटने और परिवहन पर मुक्त है प्रदेश में भी मुक्त था, पर भी बंदिश लग गई। यह किसानों के लिए कितना नुकसान देह था। एक तो कृषि से आय सीमित है उस पर कृषि वानिकी से आय के मार्ग को भी अवरुद्ध कर दिया। जब अमलई पेपर मिल को नीलगिरी की सप्लाई रुकने लगी। तब उन्होंने कोर्ट में अपील की। कोर्ट ने कहा कि यदि नीलगिरी के लिए अमलई पेपर मिल लिख कर दे तो वह काट कर बिना अनुमति पास के उन्हें भेज सकता है। इससे किसानों को कम पैसे मिले और उन्हें मजबूरन मिल को बेचना पड़ा। लेकिन वन बिभाग की तरफ से इस स्टे को हटाने की कोई सार्थक पहल नही हुई। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश सरकार ने नए पातन नियम लागू किया जिसमें ग्राम पंचायतों को किसी भी वृक्ष प्रजाति को काटने की अनुमति देने का अधिकार मिल गया। लेकिन उसमें यह पेंच बिभाग ने फंसा दिया या अघोषित है कि सागौन , साजा, बीजा और साल जो विनिर्दिष्ट वन उपज है की अनुमति पंचायत नही जारी करेंगे। चूंकि इन प्रजातियों को वन विभाग के डिपो में ही बेंचा जा सकता है इसलिए बिभाग ने यह रोक लगा रखी है। महाराष्ट्र में यद्यपि सागौन के वन है लेकिन वहां 1969 का विनिर्दिष्ट वन उपज व्यापार अधिनियम नही है इसलिए कोई भी किसान अपनी सागौन लकड़ी कही भी बेंच सकता है परिवहन पास वन विभाग देगा। वहां पर किसी भी इमारती लकड़ी को काटने की अनुमति रेंजर देता है राजस्व विभाग नही। खसरा जरूर लगाना पड़ता है। आज के समय विनिर्दिष्ट वन उपज के नियम की कोई आवश्यकता नही है। किसानों को सुविधा होनी चाहिए कि जब वो चाहे अपना वृक्ष काटकर आमदनी ले ले। सरकार को इन मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। आदिवसियो के लिए तो अभी भी कलेक्टर से अनुमति लेना है जो मिलती ही नही है कभी भी एकाध को छोड़कर 75 वर्षो में नही मिली। किसान की आय यदि बढ़ाई जा सकती है तो उनके खेत मे लगे वृक्षो को सरलता से काटने और बेंचने की व्यवस्था करने पर। आदिवासी कई तो लखपति कई करोड़पति हो सकते है लेकिन सरकार के अनावश्यक कानूनों के कारण लंगोटी में घूम रहे है। अगर वृक्ष काटने ही नही दोगे तो लगाएंगे क्यो? सरकार को इसे ध्यान देना चाहिए

फाईल फोटो

इंदौर के 400 से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में मिलेगी नौकरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में बेरोजगार युवाओं को कलेक्टर श्री आशीष सिंह निर्देशन में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी दिलाने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इस सिलसिले में जिला रोजगार कार्यालय और आईटीआई द्वारा मिलकर 20 नवम्बर को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दानगर में रोजगार मेला आयोजित किया गया है। यह रोजगार मेला सुबह 10 बजे से 04 बजे तक आयोजित होगा।

जिला रोजगार कार्यालय उपसंचालक (रोजगार) श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होने के साथ ही साथ व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रक्रिया भी पूर्ण कराई जायेगी। रोजगार मेले में कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। रोजगार मेले में शामिल होने वाले आवेदक जिनकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच एवं शिक्षा हाई स्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास होना चाहिए।

'यह मकान बिकाऊ है, मुस्लिम प्रताड़ना से परेशान हूं,' घर के दरवाजे पर लिखा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के प्रकाश का बगीचा इलाके में एक युवक ने अपने घर के दरवाजे पर काले पेंट से मकान बिकाऊ है कि सूचना लिखी है। इसकी वजह उसने पड़ोसी मुस्लिम युवक की प्रताड़ना से परेशान होना बताई है। इसके बाद युवक की मदद के लिए बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे और युवक को थाने ले जाकर शिकायत दर्ज करवाई।

पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि एक केस के राजीनामे को लेकर आरोपी दबाव बनाने के लिए उसे प्रताड़ित करते हैं। उन्होंने मेरे घर पर रस्सी बम और कीलें फेंकी। मकान बेचने की गुहार लगाने वाले युवक का नाम राजेश कलमोईया है। बस्ती में एक महीने पहले पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा था। वह घर के बाहर खड़ा था, तब घूरकर देखने की बात को लेकर उसका विवाद शादाब शानू से हो गया था। मामला पुलिस तक पहुंचा तो राजेश की शिकायत पर पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट में शादाब के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। इसके बाद शादाब केस वापस लेने के लिए दबाव बना रहा था। राजेश ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात वह घर में परिवार के साथ था, तभी दरवाजे पर पटाखे फोड़े गए। दरवाजा खोलकर देखा तो मुझ पर भी पटाखा फेंका गया। साथ में कीलें और छर्रे भी फेंके गए। इसके बाद युवक ने सुबह दरवाजे पर मकान बिकाऊ है लिख दिया। पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की और कीलें जांच के लिए भेजीं। आरोपी शादाब के खिलाफ केस भी दर्ज किया है। इस बीच, दूसरा पक्ष भी थाने पहुंचा और कहा कि पटाखे फोड़ने की बात झूठी है।

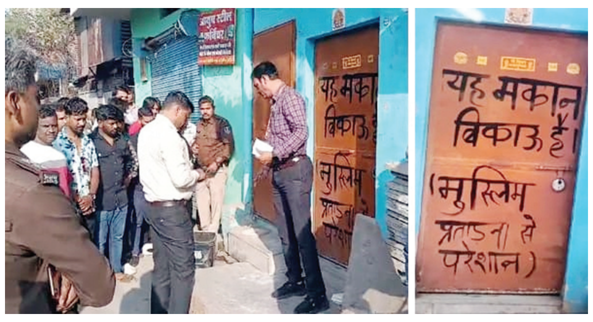

बेटी के पेट में दर्द हुआ तो डॉक्टर के पास ले गई मां, सामने आई हैरान करने वाली सच्चाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के इंदौर में 8वीं क्लास में पढ़ने वाली एक 16 साल की नाबालिग के गर्भवती होने का मामला सामने आया है। नाबालिग के पेट में दर्द होने पर जब उसकी मां डॉक्टर के पास लेकर गई तो बेटी के साथ रेप होने और उसके गर्भवती होने की सच्चाई पता चली। आरोपी युवक डिलेवरी बॉय है जो दो साल से शादी का झांसा देकर नाबालिग से शारीरिक संबंध बना रहा था। पुलिस ने पीड़ित नाबालिग की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

8वीं क्लास में पढ़ने वाली नाबालिग अपनी मां के साथ रहती है। मां का पति से तलाक हो चुका है। बेटी के पेट में तेज दर्द होने पर मां उसे एक डॉक्टर के पास लेकर गई थी। डॉक्टर ने नाबालिग लड़की की सोनोग्राफी की तो हैरान रह गए। नाबालिग लड़की के पेट में 6 हफ्ते का गर्भ था। डॉक्टर ने जब लड़की के प्रेग्नेंट होने की बात उसकी मां को बताई तो मां के पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। इसके बाद मां ने बेटी को भरोसे में लेकर बातचीत की तो उसने अपने साथ हुई पूरी घटना मां को बताई। नाबालिग लड़की ने मां को बताया कि दो साल पहले वो डिलेवरी बॉय रविन्द्र ठाकुर के संपर्क में आई थी। दोनों एक दूसरे से मिलने लगे और रविन्द्र ने उससे शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बना लिए। मां बेटी को लेकर पुलिस थाने पहुंची जहां पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर आरोपी युवक रविन्द्र ठाकुर के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कलेक्टर सिंह के निर्देश पर स्ट्रीट फूड की जाँच, खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को इंदौर शहर में बिकने वाले स्ट्रीट फूड विशेषकर चायनीस फूड के साथ परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार की सॉस एवं चीज की जांच हेतु कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये थे। निदेर्शों के परिपालन में अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल के मार्गदर्शन में आज स्ट्रीट फूट विशेषकर चायनीस फूड के साथ परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार की सॉस एवं चीज की सघन जाँच की गयी।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा मेघदूत चौपाटी, विजय नगर में विभिन्न स्ट्रीट फूड वेंडर्स की सघन जांच की गई तथा टीम द्वारा खाद्य पदार्थ जैसे - मेंयोनीस,चीज,गार्लिक सॉस, पिज्जा,टॉपिंग चीज एंड चिली,टोमेटो केचप,सेजवान सॉस,पास्ता पिज्जा सॉस,पिज्जा टॉपिंग क्रिमी टोमेटो आदि के कुल 08 नमूने जाँच हेतु लिए गए। इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में सेज यूनिवर्सिटी स्थित मेस एवं कैंटीन का निरीक्षण जाँच टीम द्वारा किया गया। टीम द्वारा केंटीन से रेड चिल्ली सॉस,जीरावण मसाला, विनेगर, हक्का नूडल्स के कुल 04 नमूने तथा मेस से तुअर दाल एवं सौफ के कुल 02 नमूने लिए गए। जाँच के दौरान परिसर में कमियाँ भी पाई गई, जिनमें सुधार हेतु सुधार सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। जाँच हेतु लिए गए सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जायेगा,जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात आगामी वैधानिक कार्रवाई की जायेगी। आम नागरिकों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत कार्रवाई जारी रखी जायेगी।

इंदौर का पूर्वी रिंग रोड होगा सिग्नल फ्री, सातों चौराहों पर ब्रिज, दो जगह निर्माण शुरू

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर का दस किलोमीटर लंबा पूर्वी रिंग रोड सिग्नल फ्री बनाने की तैयारी की जा रही है। इस मार्ग के सात में से चार चौराहों पर ब्रिज बन चुके है। दो चौराहों पर निर्माण शुरू हो चुका है। शेष बचे एमआर-9 चौराहे की प्लानिंग भी हो चुकी है। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सालभर पहले इंदौर के विकास की पहली बैठक ली थी। तब शहर के किसी एक मार्ग को सिग्नल फ्री करने योजना तैयार करने के लिए अफसरों को कहा था। इसके लिए रिंग रोड को चुना गया, क्योकि इस रोड पर चार ब्रिज बन चुके थे।

बचे तीन चौराहों में से दो पर ब्रिज निर्माण शुरू हो चुका है। मेट्रो रुट के कारण एमआर-9 चौराहे पर अभी ब्रिज नहीं बन पाया है। पूर्वी रिंग रोड का दस किलोमीटर का हिस्सा एमआर-9 चौराहा से ही सिग्नल फ्री हिस्सा होगा,क्योकि रेडिसन चौराहा पर मेट्रो ट्रेक के कारण ब्रिज की प्लानिंग नहीं हो पाई है। रिंग रोड के दो व्यस्त चौराहे मुसाखेड़ी और आईटी पार्क चौराहा पर दो माह पहले ब्रिज निर्माण शुरू हो चुका है। डेढ़ साल में दोनो ब्रिज बनकर तैयार हो जाएंगे। खजराना चौराहा की एक लेन ट्रैफिक के लिए खोल दी गई है, दूसरी लेन भी तैयार है। दो साल में सात में से छह चौराहे सिग्नल फ्री हो जाएंगे। मेट्रो का काम शुरू होने के बाद एमआर-9 चौराहा पर भी ब्रिज बन जाएगा।

फूल बंगले में विराजे श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार, लगा छप्पन भोग, हुई महाआरती

अन्नकूट महोत्सव मना, भक्तो को गौसेवा का दिलाया संकल्प

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

श्री राम मंदिर रघुनाथपुरम में अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया। श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार फूल बंगले में विराजे, छप्पन भोग लगा,महाआरती हुई, बड़ी संख्या में साधु संतो और भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

मंदिर के अध्यक्ष श्री जानकीवल्लभ दास महाराज, अशोक बिदासरिया ने बताया कि मंदिर में रविवार को अन्नकूट महोत्सव महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित किया। श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार का विशेष श्रृंगार किया, गुलाब,मोगरा सहित अनेक किस्मों के फूलो से फूल बंगला सजाया। श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार का आचार्यो विद्वानों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच पूजन अर्चन किया। 56 तरहो के पकवानों का छप्पन भोग लगाया। सैकडो दीपो से महाआरती की गई। महाआरती में बड़ी संख्या में साधु संतों और ब्राह्मण बटुक सम्मिलित हुए। महोत्सव में महाप्रसादी में भक्तो ने महाप्रसादी ग्रहण की। महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज ने भक्तो ने गौ सेवा करने का संकल्प लिया। साढ़े 350 साल पुराने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय 31 जनवरी 2024 को जगद्गुरु अग्रमलूकपीठाधीश्वर श्री राजेन्द्रदासजी देवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार विराजमान किए गए थे। इस अवसर पर विधायक रमेश मेंदोला, टीकमचंद गर्ग, विष्णु बिंदल, अशोक बीदासरिया, नारायण अग्रवाल हरि गोयल, सत्य प्रकाश पाठक सहित अन्य मौजूद थे।

इंदौर के संत सत्यप्रकाशानंद गिरि की नासिक के पास सड़क हादसे में मौत

इंदौर। इंदौर के अन्नपूर्णा आश्रम के संत स्वामी सत्यप्रकाशानंद गिरि की रविवार को नासिक के समीप सड़क हादसे में मौत हो गई। वे इंदौर से त्र्यंबकेश्वर जाने के लिए निकले थे। इस बीच उसकी कार को किसी वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इससे कार पलट गई। लोगों ने कार में सवार संत को निकाला और नासिक के अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन सिर और सिरे में लगी चोट व ज्यादा खून बहने के कारण उन्हें नहीं बचाया जा सका। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलने पर त्र्यंबकेश्वरआश्रम से भी कुछ सेवक मौके पर पहुंच गए थे। बाद में उनका शव आश्रम ले जा गया। उनके निधन पर अनेक संतों ने शोक व्यक्त किया है। स्वामी सत्यप्रकाशानंद को त्र्यंबकेश्वर के आश्रम में ही सोमवार सुबह समाधि दी जाएगी।

दिसंबर में रेलवे कराएगा दक्षिण दर्शन यात्रा

इंदौर। मध्य प्रदेश में रहने वालों के लिए भारतीय रेलवे की ओर से खुश कर देने वाली खबर सामने आई है। सूबे के आर्थिक शहर इंदौर से जल्द ही तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम धाम, मदुरई और कन्याकुमारी के लिए पर्यटक ट्रेन रवाना होने वाली है। खास बात ये है कि इस ट्रेन में राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टशन, संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन समेत प्रदेश के 9 स्टेशनों से यात्री सवार हो सकेंगे। दरअसल इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन कर रहा है। 16 दिसंबर को इंदौर शहर से दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए ट्रेन रवाना होगी। यात्रा में तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी एवं त्रिवेन्द्रम के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

पर्यटकों का स्वर्ग, भारत का आध्यात्मिक ह्दय: मध्यप्रदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश, जिसे ₹भारत का हृदय₹ कहा जाता है, धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत का एक समृद्ध ताना-बाना है, जिसमें कई ऐसे स्थल हैं जो तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में, राज्य सरकार इन स्थलों को बढ़ाने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही है, जो राज्य की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान सरकार की पहली वर्षगांठ, 13 दिसंबर के अवसर पर, सरकार मौजूदा धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और मध्यप्रदेश को धार्मिक पर्यटन के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए नए आध्यात्मिक स्थलों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

मध्यप्रदेश के विविध धार्मिक परिदृश्य में हिंदू, जैन, बौद्ध और इस्लाम सभी शामिल हैं, जो आध्यात्मिक साधकों के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य है। हाल के वर्षों में मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, विशेष रूप से उज्जैन में ₹महाकाल महालोक₹ के सफल शुभारंभ के बाद। महाकाल महालोक में आगंतुकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जो आर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के उत्प्रेरक के रूप में धार्मिक पर्यटन की क्षमता को रेखांकित करता है। डॉ. यादव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने पूरे राज्य में महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और संवर्धन को प्राथमिकता दी है। इस पहल का उद्देश्य न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है, बल्कि आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाना भी है। महाकाल महालोक इन प्रयासों का केंद्र बिंदु है, जिसे महाकालेश्वर मंदिर के आसपास एक जीवंत आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। यह पुनर्विकास प्रबंधन को बेहतर बनाता है और इस ऐतिहासिक स्थल के आध्यात्मिक वातावरण को समृद्ध करता है। प्रदेश के अनेक धार्मिक स्थलों का उनकी परम्पराओं के अनुरूप विकास किया जा रहा हहै। सलकनपुर में देवी लोक को शक्ति मंदिर स्थल के रूप में विकसित किया गया है, ताकि सुगमता से देवी दर्शन के साथ ही तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर पहुँच और सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाएँ। छिंदवाड़ा में श्रीहनुमान लोक भगवान हनुमान का उत्सव मनाएगा, जिसमें भक्तों और पर्यटकों के लिए एक आकर्षक वातावरण बनाया जाएगा। ओरछा में रामराजा लोक भगवान राम का सम्मान करेगा और अध्यात्म और इतिहास दोनों में रुचि रखने वाले आगंतुकों को आकर्षित करेगा। सागर में संत रविदास लोक के पुनरुद्धार का उद्देश्य संत रविदास की विरासत का सम्मान करना है, ताकि उनके अनुयायियों और उनकी शिक्षाओं में रुचि रखने वाले पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। जबलपुर में रानी दुर्गावती स्मारक और रानी अवंतीबाई स्मारक जैसे ऐतिहासिक स्थलों को भी उनके सांस्कृतिक महत्व को उजागर करते हुए बढ़ाया जा रहा है, साथ ही इतिहास और अध्यात्म दोनों में रुचि रखने वाले आगंतुकों का भी ध्यान रखा जा रहा है। इसके अलावा, अमरकंटक में माँ नर्मदा महालोक में आगंतुकों की सुविधाओं को बढ़ाने और इसकी प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ावा देने के लिए सुधार किए जा रहे हैं। सरकार खरगोन में देवी अहिल्याबाई लोक, बड़वानी जिले में नागलवाड़ी लोक जैसे नए आध्यात्मिक स्थलों को विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें शांत वातावरण बनाने पर जोर दिया जा रहा है। ग्वालियर में जाम सावंली हनुमान लोक में भगवान हनुमान की शक्ति और भक्ति का पर्व मनाया जाएगा, वहीं जानापाव जिसे भगवान परशुराम की जन्म स्थली के रूप में जाना जाता है, वहां परशुराम लोक विकसित किया जाएगा, जिसमें भगवान परशुराम को समर्पित एक नया मंदिर बनाया जाएगा, जहां आगंतुकों के लिए विभिन्न सुविधाएँ भी होंगी। इस परियोजना में नर्मदा जल को लाना और आसान पहुँच के लिए रोपवे का निर्माण करना भी शामिल है। दतिया में मां पीतांबरा लोक, देवी पीतांबरा को समर्पित एक और महत्वपूर्ण स्थल है। रतनगढ़ में माता मंदिर लोक देवी दुर्गा को समर्पित एक प्रतिष्ठित मंदिर के साथ एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल भी बन जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन की संभावनाओं को पहचानते हुए, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड विदेशों से पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए वैश्विक बाजारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है।

दलालबाग में तीन दिवसीय महोत्सव का हुआ समापन

वैदिक मंत्रोउच्चार से गूंजा दलालबाग नवनिर्मित मंदिर में प्रतिष्ठित हुई मूर्तियां

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वीआईपी रोड़ दलालबाग परिसर में नवनिर्मित मंदिर में शिव परिवार, राम दरबार एवं राधा-कृष्ण की मूर्तियां दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में प्रतिष्ठित की गई। प्रतिष्ठा के पूर्व हजारों समाज बंधु भगवान का उद्घोष करते नजर आए।

श्री श्रीविधाधाम पीठाधिश्वर स्वामी चिन्मयानन्दजी सरस्वती एवं वीर बगीची गादीपति ब्रह्मचारी पवनानंद महाराज के सान्निध्य में तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की सभी विधियां विद्वान पंड़ितों के निर्देशन में संपन्न की गई। दलालबाग में बने इस नवनिर्मित मंदिर का इतिहास भी अति प्राचीन है। 100 वर्ष बाद इसका जीणोउद्धार किया गया। मंदिर जीर्णोद्धार में श्रीमती सीतादेवी स्व. शिवभगवान परवाल परिवार का विशेष सहयोग रहा तथा तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य यजमान रमेश कुमार परवाल थे। जिन्होंने तीनों तक सभी विधियां विद्वान पंड़ितों के निर्देशन में संपन्न की। श्री बालाजी गणेश बड़ा सराफा कॉटन एसोसिएशन संरक्षक लक्ष्मण माहेश्वरी (गुरू)ने बताया कि रविवार को दलालबाग वैदिक मंत्रोउच्चार की गूंज से गूंज उठा। साधु-संतु के सान्निध्य में दोपहर 12 बजे जैसी ही नवनिर्मित मंदिर मूर्तियां प्रतिष्ठित की गई तो हर कोई श्रद्धालु उद्घोष करता नजर आया। प्रातः 8 बजे स्थापना विधि, न्यास अभिषेक के साथ ही दोपहर में मूर्तियां प्रतिष्ठित की गई।

उज्जैन में 592 करोड़ में बनेगा मेडिकल कॉलेज, 550 बिस्तरों वाले अस्पताल में मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाए

भोपाल ■

मध्य प्रदेश के उज्जैन में 100 एबीबीएस सीट की क्षमता वाला मेडिकल कॉलेज बनेगा। 21 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन करेंगे। 592 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह कॉलेज स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और क्षेत्रीय चिकित्सा शिक्षा में मील का पत्थर साबित होगा। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा, जिससे उज्जैन और आसपास के जिलों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन मेडिकल कॉलेज राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह प्रोजेक्ट न केवल उज्जैन बल्कि पूरे मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नए आयाम देगा, जिससे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का सपना साकार होगा।

550 बिस्तरों वाला आधुनिक अस्पताल

उज्जैन मेडिकल कॉलेज में 550 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया जाएगा। अस्पताल में 24७७ आपातकालीन सेवाएं, फामेसी, रेडियोलॉजी, सुपर स्पेशलिटी ओपीडी, आईसीयू और सीसीयू के लिए 70 बिस्तर, और 11 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। साथ ही, परमाणु चिकित्सा विभाग, रेडियोथेरेपी बंकर, और ब्रैकीथेरेपी जैसी उन्नत तकनीकों का भी प्रावधान होगा।

100 एमबीबीएस सीटों पर मिलेगा प्रवेश

कॉलेज में 100 एमबीबीएस छात्रों की प्रवेश क्षमता होगी। इसके लिए चार अत्याधुनिक लेक्चर थिएटर, दो परीक्षा हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, कौशल प्रशिक्षण केंद्र और प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। 380 नर्सिंग छात्रों के लिए आधुनिक छात्रावास, जिम, और मनोरंजन क्षेत्र जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी।

14.97 एकड़ में ग्रीन बिल्डिंग कॉस्पेट पर होगा निर्माण

कॉलेज का निर्माण 14.97 एकड़ में किया जाएगा, जिसमें सौर ऊर्जा, एलईडी लाइटिंग और वर्षा जल संग्रहण जैसी ऊर्जा दक्षता तकनीकों का उपयोग होगा। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अपशिष्ट जल पुनः उपयोग की व्यवस्था भी की जाएगी।

'अभिमन्यु' सिखा रहा छोटी कानूनी बारीकियां, ताकि बड़े नुकसान से बचें

भोपाल ■

साइबर ठगों का फैलता जाल, बाजार से लेकर स्कूलों तक में असुरक्षित बच्चियां, घरों में बिगड़ते पारिवारिक समीकरण और बनते कलह के हालात। ऐसे में जरूरत पड़ी कानूनी जानकारी। मप्र पुलिस ने इसके बेहतर प्रचार प्रसार और लोगों को कानूनी जानकारियों से वाकिफ कराने एक अभियान चलाया है। पुलिस के इस ₹अभिमन्यु अभियान₹ के तहत स्कूल, कॉलेज सहित अन्य शैक्षणिक और शासकीय अशासकीय संस्थाओं में पुलिस विभाग के जानकार अधिकारी लोगों को कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया जा रहा है।

इसी कड़ी में अयोध्या नगर स्थित बम हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्र-छात्राओं को पुलिस की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति कानून में विधिक प्रावधानों की जानकारी, मोबाइल से होने वाले साइबर अपराधों की जानकारी, अनजान नंबर से आने वाले कॉल को नहीं उठाना, किसी को ओटीपी पासवर्ड नहीं देना, किसी अनजान लिंक पर टच नहीं करना, किसी लिंक पर रिप्लाई नहीं देना आदि के बारे में समझाया। साथ ही पुलिस के सभी हेल्पलाइन नंबरों को उनको बताया गया। इस दौरान छात्राओं को गुड टच बेड टच के बारे में भी बताया गया। इस दौरान ऊर्जा डक्स/विशेष किशोर पुलिस ईकाई, बाल कल्याण, अधिकारी संवैधानिक प्रावधान, विधिक प्रावधान कोई भी बच्चा या कोई भी महिला किसी तरह की हिंसा, शारीरिक शोषण मारपीट, मानसिक हिंसा, घरेलू हिंसा से पीड़ित हो तो तुरंत कार्रवाई ऊर्जा डेस्क/ बाल कल्याण अधिकारी हेतु उनको बताया गया। इस अवसर पर बाल संप्रेषण/बाल कल्याण समिति/ किशोर पुलिस इकाई आदि के बारे में भी जानकारी दी गई।

कैलपुरा पंचायत की जल संरचनाओं को देश के सात राज्यों में सबसे बेहतर चुना गया

टीकमगढ़ ■

जल संरक्षण के लिए जिले में किया जा रहा काम देश के सात राज्यों में सबसे अच्छे तरीके से किया जा रहा है। ऐसे में एनपीएमयू (नेशनल प्रोजेक्टर मैनेजमेंट यूनिट) की ग्रेडिंग में जिले की बल्देवगढ़ ब्लॉक की कैलपुरा पंचायत को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। विदित हो कि जल संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा देश के सात राज्यों में अटल भू जल मिशन के तहत काम किया जा रहा है। इसमें बुंदेलखंड के 6 जिलों के 9 ब्लॉक शामिल है।

देश में पानी की समस्या से जूझ रहे प्रदेशों में अटल भूजल मिशन योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के तहत टीकमगढ़ जिले के बल्देवगढ़ एवं पलेरा ब्लॉक को चिन्हित किया गया है। इसमें किए जा रहे कार्यों की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर की जा रही है। हाल में योजना के तहत एनपीएमयू द्वारा की गई ग्रेडिंग में बल्देवगढ़ की कैलपुरा पंचायत में किए गए जल संरक्षण के कार्यों को सात राज्यों में सबसे अधिक उपयोगी माना गया है। मिशन के तहत लोगों के बीच जल संरक्षण के लिए जागरूकता करने में भूमिका निभाने वाले जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुनील कटियार ने बताया कि हाल ही में जारी की गई ग्रेडिंग में कैलपुरा को पहला स्थान दिया गया है। इसके बाद महाराष्ट्र के सांगली जिले के ब्लॉक आए है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत विभिन्न मानकों में यह ग्रेडिंग की जाती है।

अटल भू जल मिशन की ग्रेडिंग में मिला पहला स्थान

बुंदेलखंड के 9 ब्लॉक शामिल

कटियार ने बताया कि इस योजना में बुंदेलखंड के 6 जिलों के 9 ब्लॉक को शामिल किया गया है। इसमें टीकमगढ़ के पलेरा और बल्देवगढ़, निवाड़ी में निवाड़ी, सागर में सागर, दमोह में पथरिया, छतरपुर में राजनगर, छतरपुर और नौगांव तथा पन्ना के अजयगढ़ ब्लॉक को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इन पंचायतों में मनरेगा के तहत विभिन्न जल संरचनाओं का निर्माण किया जाता है और जल संरक्षण के लिए केंद्र सरकार द्वारा 20 प्रतिशत राशि इनसेंटिव के रूप में दी जाती है। उनका कहना था कि इसके पूर्व निवाड़ी जिले की कैना और पलेरा की भदरई पंचायत भी पहले स्थान पर रह चुकी है।

जल संरक्षण के लिए चलाई जा रही अटल भूजल योजना में जिले में अच्छी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। कैलपुरा के पहले स्थान पर आना इसका उदाहरण है। जल संरक्षण की यह योजनाएं भविष्य में पानी की परेशानी को दूर करने वाली साबित होगी। इसके लिए पंचायतों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम भी किए जा रहे है। **अवधेश शर्मा, कलेक्टर,**

बागेश्वर धाम की सनातन धर्म एकता पदयात्रा बैठक, निवाड़ी विधायक जैन हुए शामिल

निवाड़ी ■

निवाड़ी शहर के अटल सभागार में रविवार दोपहर बागेश्वर धाम के संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन धर्म एकता पद यात्रा की तैयारी को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें निवाड़ी विधायक अनिल जैन के साथ भाजपा के पदाधिकारी और बागेश्वर धाम के लोग शामिल हुए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला अध्यक्ष नंदकिशोर नापित ने रविवार शाम जानकारी देते हुए बताया कि निवाड़ी शहर में बागेश्वर धाम के संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पदयात्रा को लेकर शहर के अटल सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया। 26 नवंबर की शाम संत बागेश्वर धाम की यात्रा निवाड़ी जिले के घुपसी गांव में प्रवेश करेगी। जहां पर वह रात्रि विश्राम करेंगे, इसके बाद उनका अगला पड़ाव निवाड़ी शहर पास हाइवे पर बने रेस्ट एरिया में रात्रि विश्राम करेंगे। जहां पर राष्ट्रीय कलाकारों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद वह 28 को ओरछा तिगेला पहुंचेंगे, जहां पर रात्रि विश्राम करेंगे और 29 को राजाराम के दरबार में पहुंचेंगे।

बनाई गई कमेटी

भाजपा के वरिष्ठ नेता नंदकिशोर ने बताया कि आज बैठक के दौरान जहां बागेश्वर धाम कमेटी के लोग शामिल हुए थे। वहीं, निवाड़ी विधायक अनिल जैन और टीकमगढ़ से उनके शिष्य राजेंद्र तिवारी इस बैठक में शामिल हुए हैं, जिसमें उनकी रुपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि इसके लिए लोगों की अलग-अलग कमेटियां बनाई गई हैं और एक कमेटी प्रबंध समिति के नाम से बनाई गई है, जिसमें 20 लोग हैं और क्षेत्रीय विधायक भी इस कमेटी के सदस्य होंगे। उन्होंने बताया कि सबसे पहले स्वागत कमेटी बनाई गई है, जो निवाड़ी जिले में प्रवेश करने पर यात्रा का स्वागत करेगी और इसके साथ ही पेयजल कमेटी, प्रचार-प्रसार की कमेटी और निमंत्रण बांटने की कमेटियां बनाई गई हैं। उन्होंने बताया कि कल से निवाड़ी जिले में घर-घर जाकर के पीले चावल यात्रा के लिए दिए जाएंगे। इस कमेटी की जवाबदेही निवाड़ी जिले के घुपसी गांव से लेकर ओरछा तक रहेगी और ओरछा में भी भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सनातन धर्म एकता पदयात्रा में अधिक से अधिक धर्मवलंबी भाग लें। भाजपा के वरिष्ठ नेता नंदकिशोर नापित ने बताया कि बागेश्वर धाम के संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पदयात्रा निवाड़ी जिले में लगभग 40 किलोमीटर का सफर तय करेगी, जिसमें जगह-जगह उनका स्वागत किया जाएगा।

जरी और चटखारे स्वाद सहित विदेशियों को भा रहे बाग प्रिंट

भोपाल ■

सतत चार पीढ़ियों से कला को समर्पित खत्री परिवार के नाम पर ही यह कला हो गई। बाग प्रिंट और खत्री एक दूसरे का पर्याय होकर रह गए हैं। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में आने वाले विदेशी पर्यटकों को खत्री स्टॉल की मौजूदगी इसलिए भी नई नहीं लग रही है कि यह परिवार आधी दुनिया तक जाकर अपनी कला का नमूना दिखा चुके हैं।

दिल्ली के प्रगति मैदान पर इन दिनों जारी 46वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मप्र के जोन में मौजूद बाग प्रिंट यहां आने वालों का आकर्षण केंद्र बना हुआ है। हाजी इस्माइल खत्री को उनके पिता से यह कला विरासत में मिली और उन्होंने इस सिलसिले को आगे भी बढ़ाया। हाजी यूसुफ खत्री से होते हुए कला का दामन अगली पीढ़ी के बिलाल खत्री और उनके आगे आए परिजनों ने भी सम्हाल रखा है। कला के लिए समर्पित इस परिवार के कुल 11 लोग राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित हुए हैं। सिलसिला बरकरार है। धार जिले के दूरस्थ ग्राम बाग में प्राकृतिक रंगों से निकली यह कला पूरी दुनिया में मप्र का नाम रौशन कर रही है। नवाब शासनकाल से प्रचलित और सर्वमान्य कला जरी जरदोजी कुछ समय की गुमनामी के बाद एक बार फिर लोगों की पसंद में शामिल है। राज्य स्तरीय अवार्ड से सम्मानित हमारा खान इस कला को लेकर इस अंतरराष्ट्रीय मेले में मौजूद हैं।

999 रुपए में फ्लाइट का लुत्फ उठाने के लिए करना होगा थोड़ा इंतजार!

रीवा ■

रीवा से भोपाल के बीच फ्लाइट का इंतजार करने वाले के लिए बुरी खबर है। रीवा एयरपोर्ट से एयरटैक्सी की सेवाएं शुरू होने में अभी और समय लग सकता है। फ्लाइट कंपनी की तैयारियां पूरी नहीं हैं। 20 नवंबर को रीवा एयरपोर्ट का उद्घाटन किया गया था। उस दौरान घोषणा हुई थी कि फ्लाइट को 5 नवंबर से शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए तैयारियां भी की गई थी, लेकिन निर्धारित समय पर शेड्यूल जारी नहीं किया गया।

एयरपोर्ट अथारिटी के अधिकारियों ने का कहना है कि फ्लाईबिग कंपनी हफ्ते में तीन दिन सेवा देना चाहती है। इस कारण नियमित करने की चर्चा चल रही है। दीपावली की छुट्टी मनाने गए लोग बड़ी संख्या में प्लेन से ही जाने की तैयारी में थे, लेकिन उसकी डेट बढ़ा दी गई। दूसरी तारीख 15 नवंबर की बताई गई। इसके लिए कंपनी ने अपने पोर्टल पर रीवा एयरपोर्ट का स्टापेज और आने-जाने का शेड्यूल भी जारी किया।

टिकट बुकिंग कुछ घंटे के लिए शुरू की गई लेकिन बीच में ही रोक दिया गया। इस दौरान कंपनी ने किराए को लेकर असमंजस की स्थिति बनाए रखी। कई बार किराया बदला। इस बीच कई लोगों ने अलग-अलग किराए पर टिकट की बुकिंग भी करा ली है। बाद में कंपनी ने टिकट की बुकिंग ही बंद कर दी।

फ्लाईबिग कंपनी के अधिकारी पहुंचे रीवा

फ्लाईबिग कंपनी के अधिकारी रीवा एयरपोर्ट पहुंचे हैं। जहां वह नियमित रूप से हवाई सेवा शुरू करने के लिए जरूरी सुविधाओं का परीक्षण कर रहे हैं। कंपनी की ओर से अभी आधिकारिक रूप से शेड्यूल जारी नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि 25 नवंबर के बाद से ही नियमित सेवाएं शुरू हो पाएंगी।

देवास में सिंथेटिक ट्रैक का भूमिपूजन: वन डिस्ट्रिक्ट-वन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के तहत सभी जिलों में स्टेडियम बनें

भोपाल ■

प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन स्पोर्टस कॉम्पलेक्स अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में खेल स्टेडियम बनाएं जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को देवास के कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री दिल्ली से वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 114 खेल अधोसंरचनाएं तैयार की जा चुकी हैं, जबकि 30 और निमार्णाधीन हैं। इनमें 8 सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक शामिल हैं। देवास में स्थापित किया जा रहा यह ट्रैक प्रदेश का 9वां सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक होगा। साथ ही इंदौर, रतलाम, और छतरपुर में तीन और ट्रैक स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट - वन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स योजना के तहत प्रदेश के सभी जिलों में खेल स्टेडियम बनाए जाएंगे।

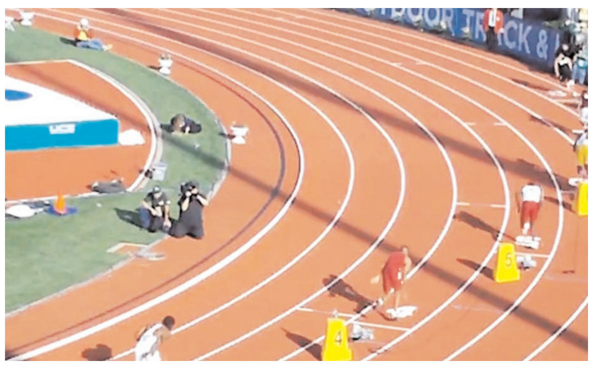

प्रदेश के हर क्षेत्र में हो रहा विकास

मुख्यमंत्री ने देवास, उज्जैन, धार और इंदौर को जोड़ते हुए क्षेत्र को वृहद महानगर के रूप में विकसित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मालवा अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां की खेल और पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत कर क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी। इसी तरह प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास किया जा रहा है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग वर्चुअली जुड़े। वहीं, देवास में सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया, विधायक गायत्री राजे पवार और महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

यह होगी स्टेडियम में सुविधा

देवास के कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में 9 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से 400 मीटर का 8 लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक स्थापित किया जा रहा है। साथ ही खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए 26 लाख रुपए के आधुनिक जिम उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस स्टेडियम में बैडमिंटन के 4 सिंथेटिक कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, स्विमिंग पूल, ओपन जिम, और आत्मरक्षा के लिए कराटे प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं पहले से ही मौजूद हैं।

शिकायतों का निराकरण नहीं होने पर चुनाव आयोग पर नाराज हुए PCC चीफ, कहा- वल्लभ भवन में दलालों का बोलबाला

भोपाल ■

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि प्रदेश में हुए उप चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा की शिकायतों का निराकरण नहीं किया हमने कलेक्टर और एसपी को हटाने के लिए कहा लेकिन नहीं हटाया गया। पटवारी ने कहा कि वे निर्वाचन आयोग से आग्रह करते हैं कि तोता न बने, पिट्ठू न बनें। पटवारी मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि 10 महीने की सरकार में 385 में से 282 अधिकारियों के तबादले हो चुके हैं, जो कुल आईएएस पोस्टिंग का 74% है। रात के अंधेरे में लिस्ट आती है जिसमें आईएएस, आईपीएस की पोस्टिंग बिना पैसे दिए संभव नजर नहीं आती है! दलालों का बोलबाला है। प्रदेश में अपरिपक्व मुखिया की वजह से प्रशासनिक अराजकता का माहौल व्याप्त है। आखिरकार मुख्यमंत्री प्रदेश को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।

जिन रिश्तेदारों को ड्यूटी में लगाया है उन्हें हटाए

पीसीसी चीफ नेकहा है कि विजयपुर में होने वाली मतगणना के लिए वन मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी रामनिवास रावत ने अपने 40 से अधिक रिश्तेदार अधिकारियों को प्रक्रिया में शामिल कराया है। इसकी शिकायत चुनाव आयोग से भी की गई है। विजयपुर में रावत के रिश्तेदारों के मामले में की गई आपत्ति पर चुनाव आयोग को संज्ञान में लेकर कार्रवाई करना चाहिए। दरअसल कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य प्रदेश प्रभारी जेपी धनोपिया ने कल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में भी इसकी लिखित शिकायत की है। इसमें कहा गया है कि मतगणना के लिए जिन 32 माइक्रो आब्जर्वर को तैनात किया गया है, उसमें से 25 वन मंत्री और बीजेपी प्रत्याशी के समुदाय के और रिश्तेदार हैं। इनमें से 7 उनके निजी संपर्क में भी हैं।

पटवारी ने जीत का किया दावा

जीतू पटवारी ने यह भी कहा कि उप चुनाव में कांग्रेस ने चुनाव बहुत अच्छा लड़ा है। हम 100 प्रतिशत जीतेंगे, हालांकि कई तरीके से संविधान को ताक पर रखकर व्यवस्था और प्रशासन ने चुनाव में अपनी भूमिका निभाई और भाजपा के पक्ष में काम किया है। इसकी हमने समय-समय पर शिकायत की लेकिन निर्वाचन आयोग ने इसे संज्ञान में नहीं लिया। हमने पुनर्मतदान की मांग की थी। जिस पर निर्वाचन आयोग ने गलत तथ्यों को रखा, जिसकी भी हम निंदा करते हैं। निर्वाचन आयोग से मेरा आग्रह है लोकतंत्र के नाश में सहयोगी न बने, लोकतंत्र की रक्षा करें।

मध्य प्रदेश में प्रशासनिक माफिया

पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी आप जो ट्रांसफर उद्योग चला रहे हैं वल्लभ भवन को आपने अधिकारियों का दलाली का अड्डा बना लिया है । मध्य प्रदेश में प्रशासनिक माफिया है, प्रदेश में माफियाओं की सरकार है जो आपकी कर प्रणाली को सत्यापित करता है। अंधेरों में साजिश करने वालों का हिसाब होगा। पटवारी नेकहा कि हमारा विपक्ष में होने का दायित्व है कि हम जनता की आवाज उठाएं। इस तरह अंधेरों में ट्रांसफर होना यह संदेश है कि हम सरकार को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। कुछ जिले ऐसे हैं जहां पिछले साल सरकार बनने के बाद कलेक्टर नहीं बदले गए पर लगातार उन पर तलवार लटकती रही और दलाल लगे हुए हैं कि उनसे कैसे माल इकट्ठा हो।

जिला अस्पताल को खत्म करने की साजिश को कांग्रेस कभी भी सफल नहीं होने देगी: पचौरी

सागर ■

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में जिला अस्पताल सागर के विलय की साजिश को कांग्रेस कभी भी सफल नहीं होने देगी। जिला अस्पताल का अस्तित्व खत्म होने से लोगों की परेशानियां और ज्यादा बढ़ेगीं। यह बात शनिवार को तीन बत्ती स्थित जिला कांग्रेस कमेटी शहर कार्यालय में आयोजित हुई बैठक में शहर अध्यक्ष राजकुमार पचौरी ने कही। उन्होंने कहा कि शहरवासियों के सामने स्मार्ट मीटर, पेयजल जैसी समस्याएं पहले से ही थीं, कि अब भाजपा सरकार ने जिला अस्पताल को खत्म कर इलाज संबंधी समस्याओं को लाकर सामने खड़ा कर दिया है। कांग्रेस इस निर्णय की खिलाफत करेगी। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. आनंद अहिरवार ने कहा कि कांग्रेस जन समस्याओं को लेकर अपना संघर्ष जारी रखेगी।

फूलमाला पहनाकर किया स्वागत

मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा नवगठित कार्यकारिणी में सागर जिले के वरिष्ठ नेताओं को शामिल किए जाने पर पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। प्रदेश महामंत्री के रूप में पूर्व मंत्री प्रभु सिंह ठाकुर, चंद्र प्रताप सिंह बुंदेला गुड्डू राजा, रेखा चौधरी, विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पूर्व विधायक सुनील जैन, नव नियुक्त प्रदेश पदाधिकारी शाहरुख खान, चक्रेश रोहित समेत अन्य को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर त्रिलोकी नाथ कटारे, पुरुषोत्तम मुन्ना चौबे, आशीष ज्योतिषी, अवधेश तोमर, शैलेंद्र तोमर, रमाकांत यादव, सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, राहुल चौबे समेत अन्य शामिल रहे।

पेटीज के ठेले पर फटा गैस सिलेंडर, 20 से अधिक लोग झुलसे, लोगों की हालत गंभीर

छतरपुर ■

छतरपुर में एक एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट होने से 20 से 25 लोग घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह ब्लास्ट छतरपुर के बिजावर थाना क्षेत्र अंतर्गत लगने वाले हाट बाजार में हुआ है। बताया जा रहा है कि साप्ताहिक बाजार में एक पेटीज की दुकान थी। जहां पर एक घरेलू सिलेंडर अचानक से ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट होते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई। कई बच्चे, महिलाएं और बाजार में आने वाले अन्य लोग घायल हो गए। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर तीन बजे बिजावर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में अचानक से सिलेंडर फटने से अफरा-तफरी मच गई। सिलेंडर फटते ही पास खड़े लोगों के कपड़े, बाल और कई लोगों के शरीर में आग लग गई। गनीमत यह रही कि यह सिलेंडर छोटा था, जिससे बड़ा ब्लास्ट नहीं हो सका। जानकारी लगते ही मौके पर स्थानीय प्रशासन और डॉक्टर का बचाव दल पहुंच गया। घायलों को एंबुलेंस की मदद से स्थानीय अस्पताल और गंभीर घायलों को जिला अस्पताल भेजा जाने लगा। हादसे में 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से पांच बच्चे शामिल हैं, जिन्हें जिला अस्पताल के लिए भेज दिया गया। वहीं, जिला अस्पताल में पहले से ही मौजूद एडीएम मिलिंद नागदेव और चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर आरपी गुप्ता मौके पर मौजूद हैं, जो कि घायलों के इलाज की व्यवस्था को देख रहे हैं। एडीएम मिलिंद नागदेव ने बताया कि जिला अस्पताल में 14 घायलों को लाया गया है, जिनमें पांच बच्चे शामिल हैं। फिलहाल, किसी को भी कोई खतरा नहीं है, सभी का इलाज शुरू किया जा चुका है। यह विस्फोट सिलेंडर से हुआ है, जहां बस स्टैंड पर चाट के हाथ ठेला दुकान पर दुकानदार छोटा वाला पांच किलो का एलपीजी सिलेंडर लगाए हुआ था। इस पांच किलो वाले एलपीजी सिलेंडर के फटने से इतना भयानक विस्फोट हुआ, जिसमें दो दर्जन से अधिक लोग हादसे का शिकार और घायल हुए हैं। घायलों में महिला, पुरुष और बच्चे सभी शामिल हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पता चला है कि आज यहां पर साप्ताहिक बाजार था, जिसके चलते बिजावर नगर सहित आसपास के ग्रामों से लोग खरीदारी करने आते हैं, जिससे यहां भीड़ ज्यादा थी और यही कारण है कि ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी लगते ही अपर कलेक्टर सहित पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी जिला अस्पताल पहुंच गए हैं। जहां डॉक्टरों और उनकी टीम द्वारा मरीजों का इलाज किया जा रहा है। वहीं, बर्न वार्ड में माकूल व्यवस्था न होने पर मरीजों को मेडिसन वॉर्ड के जीरियाटिक वार्ड में भी भर्ती कराया गया और उनका इलाज किया जा रहा है।

एमपी के 11 जिलों और 12 शहरों से गुजरेगा नया एक्सप्रेस-वे, 1200 किमी. है लंबाई

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे और प्रदेश की सबसे लंबी सड़क बनने जा रही । करीब 12 सौ किमी. लंबी ये सड़क प्रदेश के 11 जिलों से होकर गुजरेगी और इसके निर्माण में करीब 31 हजार करोड़ रूपए खर्च होंगे। इसे नर्मदा एक्सप्रेस-वे नाम दिया गया है जो कि यमुना एक्सप्रेस वे से करीब 4 गुना बड़ा होगा। नर्मदा एक्सप्रेस-वे से करीब 30 नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे और जिलों की सड़कें जुड़ेंगी जिससे साफ तौर पर इन जिलों के विकास को इससे लाभ होगा।

इन 11 जिलों से होकर गुजरेगा

नर्मदा एक्सप्रेस वे अनूपपुर जिले के अमरकंटक से अलीराजपुर जिले तक बनाया जा रहा है। ये अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी और अलीराजपुर से गुजरेगा। खास बात ये है कि इस एक्सप्रेस वे से जो स्टेट हाईवे कनेक्ट हो रहे हैं वो फिलहाल टू-लेन हैं लेकिन इन्हें भी आगे चलकर चौड़ा कर दिया जाएगा और ये फोरलेन हो जाएंगे। जिससे इनके आसपास बसे शहरों, कस्बों के लोगों को फायदा होगा। इसका काम तेजी से चल रहा है कि उम्मीद है कि तय समय 2026 में ये पूरा हो जाएगा । सड़क के दोनों तरफ 100 मीटर का राइट ऑफ भी बनाया जा रहा है।

गुजरात-छत्तीसगढ़ को जोड़ेगा

नर्मदा एक्सप्रेस-वे गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्य को जोड़ेगा। ये अलीराजपुर से अहमदाबाद से जुड़ेगा तो वहीं अनूपपुर से छत्तीसगढ़ से। इस एक्सप्रेस वे के बनने से दोनों राज्यों में साथ ही मध्यप्रदेश में टूर्जिम को बढ़ावा मिलेगा। लोग कम समय में तीनों राज्यों में पर्यटन का लुत्फ ले सकेंगे। इसका ओंकारेश्वर, अमरकंटक, भेड़ाघाट-लमेटाघाट में टूरिज्म बढ़ेगा। साथ ही निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

अब भीली भाषा में भी सुन सकेंगे पीएम मोदी के मन की बात, एआइ करेगा अनुवाद

झाबुआ ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को अब भीली भाषा में भी सुना जा सकेगा। झाबुआ के शिक्षक अब तक 80 एपिसोड का भीली भाषा में अनुवाद कर चुके हैं। इसके आगे भी लगातार काम चल रहा है। दरअसल, भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा एआइ बेस्ड ट्रांसलेशन टूल तैयार किया है।

इसका उद्देश्य जनजातीय भाषा और बोलियों का संरक्षण व संवर्धन करना है। इसके जरिए जनजातीय भाषाओं में द्वि-भाषी शब्दकोश भी तैयार किया जा रहा है। वहीं नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भीली भाषा में प्राथमिक शाला के बच्चों के लिए प्राइमर भी तैयार किया जा रहा है। इस कार्य के लिए झाबुआ जिले के 80 शिक्षक करीब आठ महीने से हिंदी भाषा के व्याकांश का भीली में अनुवाद करने में लगे हैं। उनके द्वारा प्राथमिक कक्षा की कुछ किताबों का भीली में अनुवाद किया जा चुका है। इसके अलावा पीएम मोदी के मन की बात और पूर्व के राष्ट्रपतियों के अभिभाषण का भी भीली में अनुवाद किया गया है।

अब तक 115 एपिसोड आ चुके हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 अक्टूबर 2014 को अपने मन की बात कार्यक्रम की शुरूआत की थी। अब तक 115 एपिसोड आ चुके हैं। इसमें से 80 एपिसोड का भीली भाषा में अनुवाद हो चुका है। भीली भाषा में अनुवाद का कार्य उत्कृष्ट विद्यालय में चल रहा है। इसके लिए झाबुआ, रामा और राणापुर ब्लॉक के 80 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। स्थानीय स्तर पर इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग रविन्द्र सिंह सिसौदिया बताते हैं कि कई बार उन्हें जो व्याकांश अनुवाद करने के लिए दिए जाते हैं। इनमें से कुछ भीली भाषा में नहीं मिल पाते। जैसे सूचना प्रसारण। ऐसे में इन शब्दों को जस का तस लिखते हैं।

हमारी टीम अच्छा कार्य कर रही है

एआई बेस्ड ट्रांसलेशन टूल के तहत हमारी टीम भीली बोली के अनुवाद का कार्य बेहतर ढंग से कर रही है। इस टीम के 80 सदस्यों को सम्मानित भी किया गया है।

-नेहा मीना, कलेक्टर, झाबुआ

सीएम डॉ. यादव- हम एक हैं तो सेफ हैं, सत्ता की भूख में सनातन को भूल गए उस पर राजनीति करने वाले

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाराष्ट्र के धुले जिले के शिंदखेड़ा और छत्रपति संभाजी नगर में आयोजित जनसभा और सामाजिक बैठक में जनता को संबोधित किया। उन्होंने महाराष्ट्र के विकास, सनातन संस्कृति की रक्षा और देश की सुरक्षा को लेकर महायुति गठबंधन की सरकार बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल सनातन धर्म को कमजोर करने का षड्यंत्र रच रहे हैं। यह चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति को बचाने का है। डॉ. यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता की भूख में कांग्रेस और उसके सहयोगी भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के अस्तित्व को नकारते रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे ने अपने जीवन को सनातन धर्म के उत्थान के लिए समर्पित किया, लेकिन आज उनके नाम पर राजनीति करने वाले ही सनातन को भूल गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पूरी तरह से सुरक्षित है। 2014 के बाद देश में आतंकी धमाके बंद हो गए हैं और दुश्मन देश में सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाइयों ने सेना का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने कांग्रेस पर सेना से सबूत मांगने का आरोप लगाते हुए इसे कुत्सित प्रयास बताया। डॉ. यादव ने कहा कि महायुति सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लाए गए नारी शक्ति वंदन कानून और महाराष्ट्र में शुरू होने वाली लाडकी बहना योजना का जिक्र किया। यह योजना बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी।

20 को मतदान, 23 को मतगणना होगी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच कांटे की टक्कर होने वाली है। महाराष्ट्र की सभी 288 सीटों पर एक ही चरण में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 23 नवंबर को मतगणना होगी।

वाहनों के रजिट्रेशन पर मिलेगी 50 % की छूट

ग्वालियर ■

ग्वालियर व्यापार मेला 25 दिसंबर से 25 फरवरी के बीच लगना है। मेला अवधि में बिकने वाले वाहनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50 फीसदी छूट का प्रस्ताव परिवहन विभाग को भेजा गया है। इसके साथ ही मेला परिसर में पार्किंग, शौचालय और सड़कों के सुधार पर 33 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

यह बात मेला आयोजन की तैयारियों की समीक्षा में सामने आईं। संभागायुक्त मनोज खत्री को मेला प्राधिकरण ने बताया कि सड़क निर्माण, पार्किंग विस्तार और शौचालयों की मरम्मत के लिए वित्तीय स्वीकृति का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया गया है। इसमें तत्कालीन व्यवस्थाओं के लिए मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम ने 6 करोड़ रुपए की लागत का प्राक्कलन तैयार कर आयुक्त एमएसएमई एवं सचिव एमएसएमई भोपाल को भेजा है। इसे स्वीकृति मिलते ही काम शुरू किए जाएंगे। बैठक में पुलिस-प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे।

-अधिकारी अपने -अपने विभाग में संचालित सरकारी योजनाओं, नवाचारों को प्रदर्शित करते प्रदर्शनी लगाएं। -मेले में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। हर हिस्सा कैमरे की नजर में रहेगा। फायर ब्रिगेड की व्यवस्था रहेगी। -सबसे अधिक भीड़ वाले झूला सेक्टर के लिए पर्याप्त जगह दी जाए। इसमें सुरक्षा के मानकों का भी ध्यान रखा जाए।

जिला प्रबंधकों को भी मिलेगा उच्च वेतनमान का लाभ

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने राज्य शासन को निर्देश दिया है कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधकों को सिटी मैनेजर के समान मेट्रिक्स स्तर-10 के आधार पर उच्च वेतनमान का लाभ दिया जाए। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए कोर्ट ने 90 दिन की मोहलत दी है। यह आदेश हरदा निवासी याचिकाकर्ता राधेश्याम जाट और अन्य द्वारा दायर याचिका पर दिया गया।

स्मार्ट मीटर के लिए उपभोक्ताओं को करना पड़ेगा इंतजार !

रतलाम ■

शहर में अभी भी 15 हजार से अधिक उपभोक्ताओं के यहां की रीडिंग मोबाइल से की जा रही है। इन उपभोक्ताओं को अभी भी स्मार्ट मीटर का इंतजार करना पड़ रहा है। शहर में जब स्मार्ट मीटर लगने की शुरूआत हुई थी। उस समय पूरे शहर को एक साल में स्मार्ट मीटर वाला शहर बनाने का दावा किया था।

इस बात को चार साल हो गए हैं। रतलाम शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाला शहर नहीं बन सका है। इसके लिए हर वर्ष समय सीमा बढ़ाई जा रही है। इसका कारण स्मार्ट मीटर की आपूर्ति नहीं हो पाना बताया जा रहा है।

92 हजार से अधिक उपभोक्ता

रतलाम को शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाला शहर बनाने के लिए बिजली कंपनी ने इस योजना की शुरूआत नवंबर 2020 में की थी। उस दौरान शहर में 66 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ता थे। वर्तमान में शहर में 92 हजार से अधिक उपभोक्ता हो गए हैं। चार साल में बिजली कनेक्शन की संया में 13 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। हर साल तीन प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो रही है। इनमें से अभी तक 76 हजार से अधिक उपभोक्ताओं के यहां पर ही स्मार्ट मीटर लग पाए हैं। शेष उपभोक्ताओं को अभी भी इन मीटरों का इंतजार है।

स्लम एरिया में शत-प्रतिशत कार्य

कंपनी ने बिजली चोरी रोकने के लिए शहर के स्लम व आउट एरिया में स्मार्ट मीटर का कार्य शत-प्रतिशत हो गया है। शहर के कुछ एरियों में काम बाकी है। एक साल की समय सीमा दी गई थी उस समय शहर में उपभोक्ताओं की संया 66 हजार थी। वर्तमान में 92 हजार उपभोक्ता हो गए हैं। 76 हजार अधिक उपभोक्ताओं के यहां पर स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। शहर में शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया जारी है। मीटर सप्लाई बाधित होने से परेशानी आती है।

विनोबा तिवारी, कार्यपालन यंत्री, मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी, शहर संभाग, रतलाम।

तीन माह में 6300 से अधिक मीटर लगे

बीते तीन माह में शहर के विभिन्न हिस्सों में 6300 से अधिक मीटर लगे हैं। इसके साथ ही स्मार्ट मीटर लगने का कार्य जारी है। शत-प्रतिशत स्मार्ट मीटर वाला शहर बनाने में स्मार्ट मीटर की सप्लाई सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। रतलाम के अलावा अन्य शहरों में भी स्मार्ट मीटर का कार्य शुरू होने से कई बार स्मार्ट मीटर नहीं आने से कार्य प्रभावित होता है। रतलाम के अलावा जावरा में भी इसका कार्य प्रारंभ हो गया है।

जीवन के अंतिम पड़ाव में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार

किशन भावनानी
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

वैश्विक स्तरपर इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के सहयोग से देख पढ़ सुन रहे हैं कि दुनियाँ में असंख्य माता पिता वह सीनियर सिटीजन बुजुर्ग व्यक्ति हैं जो अपनी संतान की दुत्कार सह रहे होंगे। आज मॉडर्न सोसाइटी का तर्क देकर माता पिता,बुजुर्गों से दुर्व्यवहार किया जाता है।आज थोड़ी-थोड़ी बात पर माता-पिता बुजुर्गों को कहा जाता है कि चुपचाप बैठो, तुमको क्या समझता है,तुम सठिया गए हो।हालांकि भारत एक आध्यात्मिक माता-पिता का संबंध,बुजुर्गों की सेवा करने के विचारों महान मानवों का देश है। परंतु आज वह केवल उदाहरण बनकर रह गए हैं। प्रैक्टिकली अगर माता-पिता बुजुर्गों के जीवन में झांक कर देखा जाए तो आज की तारीख में उन्हें दुत्कार ही मिलती रहती है।

मैंने अपनी गोंदिया राइस सिटी में इसे रिसर्च के तौर पर माता-पिता द्वारा 1 साल के बच्चों की परवरिश पर पूरा एक महीना ध्यान रखा तो देखा वह अपने बच्चों को,माता पिता अपने पलकों पर बैठा कर प्यार करते हुए ए ग्रेड का पालन पोषण कर रहे थे,तो दूसरी तरफ एक परिवार को देखा जिसमें जिसके दोनों बच्चे मुंबई पुणे और विदेश में रह रहे थे और मां लाचार होकर किचन में तो पिता छोटी सी दुकान पर अपनी बुजुर्ग दौर के दिन मेहनत करके काट रहा था।तीसरी जगह देखा तो बच्चे अपने माता-पिता को दुत्कार कर रौब से बात कर रहे थे कि मानो वह उसके माता पिता नहीं उसके घर के नौकर है। यह तीनों ग्राउंड रिपोर्टिंग किस्से देखकर मैं दंग रह गया। यानें बच्चों को हम कितना लाड से पालते पोछते पढ़ाते और लाखों के पैकेज की नौकरी योग्य बनाते हैं कई बार तो उन्हें ढूंढ कर नौकरी भी दिलाते हैं, तो दूसरी ओर वह जाब करने बड़ी सिटियों या विदेश जाकर बस जाते हैं और माता-पिता बुजुर्गों को भूल जाते हैं। अगर बच्चे माता-पिता के साथ भी रहते हैं तो माता पिता बुजुर्गों को नौकर बना कर रखते हैं, जो भारतीय सभ्यता संस्कृति के लिए शर्म की बात है, यह देखकर मुझसे रहा नहीं गया और उस रिसर्च के आधार पर इस आर्टिकल में अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहा हूं, जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी का सहयोग भी लिया हूं। माता-पिता बुजुर्गों के सम्मान को रखना, वर्तमान मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजंस (अमेंडेड) एक्ट 2019 नाकाफी व अपर्याप्त है। अब वह समय आ गया है कि माता-पिता बुजुर्गों के साथ दुर्व्यहर, बुरा व्यवहार अपमान व प्रताड़ित करने वालों पर एस्ट्रासिटी के समकक्ष कानून बनाने की जरूरत आन पड़ी है,जो संभवतः25 नवंबर 2024 से शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में लाने की जरूरत है। साथियों बात अगर हम सूचीगत जातियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए अनुसूचित जाति व जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 2019 के समक्ष माता-पिता बुजुर्गों के सम्मान के लिए कानून बनाने की करें तो जिस तरह सामाजिक सौहार्दपूर्णता समानता को कायम रखने के लिए एस्ट्रासिटी (अमेंडेड)कानून 2019 बनाया गया है जिसका डर हमेशा उपद्रवी लोगों में बना रहता है या फिर कभी नए फौजदारी अधिनियम 2023 में क्राइम को रोकने अनेक धाराओं का डर लोगों में बना हुआ है उसी तर्ज पर मेरा सुझाव है कि आने वाले 17 वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र में माता-पिता बुजुर्गों के साथ होने वाली क्रूरता दुष्टपरिणाम द्रुव्यवहार अपमान व दुत्कार पर लगाम लगाने के लिए माता-पिता वह वरिष्ठ नागरिक (अत्याचार अपमान दुर्व्यवहार व्यवहार व दुराचार) विधेयक 2024 बनाकर पेश किया जाए जिसे सभी पार्टियों एक मत होकर 544/0 मतदान से पारित करेंगी ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है। साथियों बात अगर हम माता पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण व कल्याण अधिनियम 2019 की करें तो, प्रावधान-धारा 2 डी के तहत इन्हें मिलेगा फायदा,जन्मदाता माता पिता, दत्तक संतान ग्रहण करने वाले, सौतेले माता और पिता धारा 2(जी) उनके लिए जिनके बच्चे नहीं-अधिनियम की ये धारा उनके लिए हैं, ऐसे में उनके भरण पोषण की जिम्मेदारी वे संबंधी उठाएंगे जो उनकी संपत्ति के हकदार हैं।धारा 5 के ये हैं लाभ,वे वरिष्ठ नागरिक जिनकी देखरेख उनके बच्चे या संबंधी नहीं कर रहे है वे एसडीएम कोर्ट (ट्रिब्यूनल) में शिकायत करसकते हैं।-प्रार्थना पत्र चाहे स्वयं दें या फिर किसी एनजीओ के माध्यम से दे सकते हैं। ऐसे मामलों का ट्रिब्यूनल खुद भी संज्ञान ले सकता है।-बच्चों अथवा संबंधियों को नोटिस मिल जाने के बाद 90 दिन के अंदर फैसला हो जाता है। अपवाद की स्थिति में 30 दिन समय बढ़ाया जा सकता है।-माता-पिता चाहें तो अपने सभी पुत्र-पुत्रियों अथवा किसी एक के खिलाफ भी प्रार्थना पत्र दे सकते हैं।अंतरिम गुजारा भत्ता की राशि ट्रिब्यूनल दस हजार रुपये तक तय कर सकता है। न देने पर जेल भी हो सकती है।ट्रिब्यूनल प्रार्थना पत्र को समझौते के लिए नामित अधिकारी के पास भी भेज सकते हैं।देखभाल नहीं की तो नहीं मिलेगी संपत्तिधारा-14- सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता का वाद न्यायालय में लंबित है तो वापस लेकर ट्रिब्यूनल में लगाया जा सकता है।धारा-19-राज्य सरकार प्रत्येक जिले में कम से कम एक ओल्ड एज बनाएगी। इसमे 150 लोग रखे जासकेंगे। वरिष्ठ नागरिकों के रहने खाने, चिकित्सा,मनोरंजन कीजिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।धारा-20 - जिले के सरकारीचिकित्सालयों में बेड आरक्षित करने की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की होगी।धारा-23मातापिता ने अपनी संपत्ति बच्चों को दे दी है और बच्चे उनकी सेवा नहीं कर रहे तो संपत्ति पुनः माता पिता के नाम पर आ जाएगी।सुरक्षा के लिए ध्यान रखेंप्रदेश सरकार के निर्देश पर पुलिस ने बुजुर्गों के लिए पॉकेट गाइड जारी की गई है। इसमें बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए कई दिशा निर्देश हैं।-घर में नए कर्मचारी की नियुक्ति से पहले पुलिस वेरीफिकेशन कराएं -घर की कुछ अतिरिक्त चाबियां गुप्त जगह पर रखें। साथियों बात अगर हम प्रस्तावित कानून में माता-पिता व वरिष्ठ नागरिक (अत्याचार अपमान दुर्व्यवहार निवारण) विधायक 2024 की जरूरत की करें तो, हमारा देश महान संतानों की भूमि है,यहां बच्चों से अपने बुजुर्ग माता-पिता की उचित देखभाल करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन पीड़ादायक है कि नैतिक मूल्यों में इस कदर गिरावट आ गई है कि अपना सुख-चैन जिन बच्चों के लिए माता-पिता त्याग कर जीवन खत्म कर देते हैं,वही बच्चे उन्हें बुढ़ापे में दो जून की रोटी और मोहब्बत के लिए तरसा रहे हैं।आजकल कई मामलों में बच्चे अपने माता-पिता से संपत्ति प्राप्त करने के बाद उन्हें छोड़ देते हैं।जो न सिर्फ दुखद है, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों में निरंतर आ रही गिरावट का प्रतीक भी है।हमारे सामाजिक मूल्यों में तेजी से आ रहे बदलाव की वजह से आज बुजुर्गों को अपनी ही संपत्ति में सुरक्षित रहने और संतानों की प्रताड़ना से बचने के लिये उन्हें अपने स्व अर्जित घर से बेदखल करने के लिए अदालतों की शरण में आना पड़ रहा है,इस तरह की उद्दंड संतानों को माता पिता के घर से बेदखल करने के आदेश भी अदालत दे रही हैं लेकिन यह सिलसिला बदस्तूर जारी हैसामाजिक मूल्यों में आ रहे ह्रास का ही नतीजा है कि संपत्ति के लालच में मौजूदा दौर में बेटा-बहू और बेटी द्वारा अपने माता-पिता को बेआबरू करने की घटनाएं और इससे मजबूर होकर बुजुर्गो द्वारा कानूनी रास्ता अपनाने के मामले बढ़ रहे हैं।परिवारों में बुजुर्ग माता पिता और दूसरे वृद्ध सदस्यों को बोझ समझा जाने लगा है. कई बार तो उन्हें उनके ही स्वअर्जित घर से बेदखल करके दर बदर की ठोकरें खाने के लिये छोड़ दिया जा रहा है या फिर सुशिक्षित बेटे बहू उन्हें वृद्धाश्रम पहुंचा रहे हैं। हमारा देश महान संतान श्रवण कुमार की भूमि है, यहां बच्चों से अपने बुजुर्ग माता-पिता की उचित देखभाल करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन पीड़ादायक है कि नैतिक मूल्यों में इस कदर गिरावट आ गई है कि अपना सुख-चैन जिन बच्चों के लिए माता-पिता त्याग कर जीवन खत्म कर देते हैं, वही बच्चे उन्हें बुढ़ापे में दो जून की रोटी और मोहब्बत के लिए तरसा रहे हैं। आजकल कई मामलों में बच्चे अपने माता-पिता से संपत्ति प्राप्त करने के बाद उन्हें छोड़ देते हैं. जो न सिर्फ दुखद है, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों में निरंतर आ रही गिरावट का प्रतीक भी है। साथियों बात अगर हम माता पिता वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण (संशोधित) अधिनियम 2019 को बनाने की जरूरत की करें तो, अपने ही देश, समाज और घर परिवार में बेगाने होते जा रहे बुजुर्गों की स्थिति पर उच्चतम न्यायालय ने भी चिंता व्यक्त की है. शीर्ष अदालत ने दिसंबर, 2018 में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि बुजुर्गों के हितों की रक्षा के लिए 2007 में बनाये गये माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण कानून के प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाए।शीर्ष अदालत ने डॉ अश्विनी कुमार वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया में स्वीकार किया था कि संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीने के अधिकार को व्यापक अर्थ दिया जाना चाहिए।न्यायालय ने कहा था कि हम कई अधिकारों से सहमत हैं लेकिन फिलहाल हमारा सरोकार तीन महत्वपूर्ण संवैधानिक मौलिक अधिकारों से है।संपन्नता की सीढ़ियों में आगे बढ़ रहे पुत्र पुत्रियों और बहू तथा दामादों के दुर्व्यवहार के कारण घर की चारदीवारी के भीतर रहने वाले विवाद अदालतों में पहुंचने लगे हैं।अपनी संतानों के आचरण से आहत बुजुर्ग माता पिता अब उन्हें अपने मकान से बेदखल कराने जैसे कठोर कदम उठाने लगे हैं।स्थिति की गंभीरता और बुजुर्गों को इस दयनीय स्थिति से संरक्षण प्रदान करने के इरादे से 2007 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ने माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण कानून बनाया बुजुर्गों के हितों की रक्षा के मामले में न्यायपालिका ने भी सख्त रुख अपनाया।यह कानून बनने के बाद महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, कर्नाटक, और पंजाब सहित कई राज्यों में संतानों के दुर्व्यवहार से पीड़ित बुजुर्ग माता-पिता अथवा एकाकी जीवन बिताने वाले बुजुर्गो ने अदालतों और न्यायाधिकरणों की शरण ली। अदालतों ने ऐसे मामलों में सारे तथ्यों की विवेचना के बाद ऐसी उद्दंड और गैर जिम्मेदार संतानों, उनकी पत्नियों तथा ऐसे ही दूसरे परिजनों को घरों से बेदखल करने का आदेश भी दे दिया गया है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जीवन के अंतिम पड़ाव में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहारमाता-पिता व बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहारअपमान व प्रताड़ित करने वालों पर एस्ट्रोसिटी के समकक्ष कानून बनाने की जरूरत।चुपचाप बैठो,तुमको क्या समझता है, तुम सठिया गए हो माता पिता सीनियरसिटीजन (अत्याचार अपमान व दुर्व्यवहार निवारण) विधेयक 2024 बनाने की जरूरत माता-पिता व बुजुर्गों के सम्मान,सुरक्षा,गरिमा भरे जीवन को सुरक्षित करने, वर्तमान कानून व नियम अपर्याप्त हैं, इसको रेखांकित करने करना जरूरी है।

सम्पादकीय

1 वर्ष में सड़क हादसों में 1,72,890 लोगों की मौत, 9489 नाबालिग

भारत में रोजाना सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष २०२३ में १७२८९० लोगों की मौत हुई है। 4 लाख 80 हजार 513 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। भयंकर रूप से जख्मी लोगों की संख्या ४६२८२५ थी। 18 वर्ष से कम उम्र के तथा बिना हेलमेट पहने जिन लोगों की सड़क दुर्घटना में मौतें हुई है। उनकी संख्या 54568 थी। सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, उसके बाद तमिलनाडु महाराष्ट्र मध्य प्रदेश कर्नाटक राजस्थान बिहार आंध्र प्रदेश और गुजरात में सर्वाधिक मोतें हुई हैं। किसी भी देश में सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है। पिछले दो दशक में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। केंद्र सरकार की लापरवाही इन दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। पिछले दो दशक में राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा जो राजमार्ग बनाए गए हैं। उनमें काफी स्पीड से वाहन चलते हैं। जो वाहन पिछले २० वर्षों में तैयार किये जा रहे हैं।उनकी स्पीड पहले की तुलना में बहुत ज्यादा है। वाहन निमार्ता द्वारा जो लाइटें वाहनों में लगाई जा रही हैं। वह काफी दूर तक तेज रोशनी फेंकती हैं। जिसके कारण सामने वाले वाहन के चालक को कुछ समय के लिए दिखना बंद हो जाता है। सड़कों पर वाहन 100 से लेकर 1२० किलोमीटर की रफ्तार में चलाए जा रहे हैं। लाइट के कारण अधिकांश दुर्घटनाएं रात के समय में हो रही हैं। केंद्रीय परिवहन मंत्रालय दुर्घटनाओं का ठीकरा हेलमेट के ऊपर फोड़कर दुर्घटना से बचाव करता है। चार पहिया वाहनों में अब पैसेंजर के लिए बेल्ट के माध्यम से वाहनों में सुरक्षा बेग से सुरक्षित होने की बात बड़ी जोर-जोर से प्रचारित करता है। लेकिन जब दुर्घटनाएं होती हैं, तो यह बेग भी वाहन चालकों और वाहन में बैठे हुए यात्रियों को कोई सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं । जिस तेजी के साथ ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वाहनों की संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। उसके हिसाब से वाहन चालकों को प्रशिक्षण देने के कोई इंतजाम भारत में नहीं किए गए हैं। वाहनों में जो लाइटें लगाई जा रही हैं। वही दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण बन रही हैं। वाहन जब सड़कों पर तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। अधिकांश दुर्घटनाओं में यह पय गया है, कि वाहन चालक अपना नियंत्रण नहीं रख पाया। सड़कें भी जिस तरीके से बनाई गई हैं। वह भी दुर्घटना स्पाट के रूप में सामने आ रही हैं। गलत डिजाइनिंग और लापरवाही के कारण सड़क दुर्घटनाएं तेजी के साथ बढ़ती ही चली जा रही हैं। कुछ समय पहले वाहनों में जो लाइट लगाई जाती थी। उनमें अपर डिपर और लाईटें इस तरह से लगाने की व्यवस्था की जाती थी। सामने वाले वाहन चालक के आंखों में सीधी रोशनी ना पड़े। लेकिन अब जिस तरीके से वाहनों में लाइट लगकर आ रही हैं। उसकी लाइट सामने वाले वाहन चालकों पर सीधी पड़ती है। जो वर्तमान में वाहन चालक हैं।वह अपर-डिपर से लाइट को कंट्रोल करने का कोई प्रयास नहीं करते हैं। जिसके कारण वाहन दुर्घटनाओं की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़कर लाखों पर पहुंच गई है। लाखों लोगों की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो रही है। लाखों लोग अस्पताल में गंभीर रूप से घायल होकर कई महीनों और वर्षों तक इलाज कराने के लिए मजबूर हैं। लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी सारे जीवन अपाहिज की तरह अपना जीवन बिताने के लिए मजबूर होते हैं। पिछले २० वर्षों से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले लोगों की मौत की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। हेलमेट नहीं पहनने पर भारी जुमार्ना लगाया जा रहा है। सीट बेल्ट नहीं लगाने पर भारी जुमार्ना सड़कों पर खड़ी पुलिस द्वारा वसूल किया जा रहा है। जुमार्ने से सरकार को करोड़ों रुपए की कमाई हो रही है।लेकिन सड़क दुर्घटनाएं और इसमें मरने वालों की संख्या कम होने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है।जुरमाने से सरकार वाहन दुर्घटनाओं को रोकने की जो कवायत कर रही है। उससे सरकार को कमाई तो हो रही है। लेकिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। ऐसा लगता है कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं के मामले में सरकार विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर ली है। यदि ऐसा नहीं है, तो फिर क्या कारण है, हर साल सड़क दुर्घटनाओं मैं रोकथाम नहीं हो पा रही है। सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी दुर्घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। इसे केंद्रीय परिवहन मंत्रालय की अक्षमता से जोड़ा जा सकता है। परिवहन मंत्रालय वाहनों के निर्माण, तकनीकी, रोड निर्माण की तकनीकी, डिजाइन तथा वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियम बनाती है। एक आम आदमी भी यह कह रहा है। तेज गति से चलने वाले वाहन की लाइट के कारण बहुत सारी दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क पर खड़े हुए वाहनो से तेज गति से आ रहे वाहन भिड़ रहे हैं। वाहन चालकों को रात मे दिखते नहीं है।

सनत जैन
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

ललित गर्ग | लेखक

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी।

दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा। आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरूआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खर्चीली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पधाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं। अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है। इसीलिये आधुनिक बीमारियों को परास्त करने के लिये इन गुणों युक्त जीवनशैली को अपनाया जाना चाहिए। सम्पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ जीवनरूपी प्रयोगशाला में इसे प्रायोगिक रूप देकर जीवन में तरह-तरह की बीमारी रूपी-राक्षस को निस्तेज करके जीवन में आनन्द का अवतरण किया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शारीरिक निष्क्रियता भी बीमारियों की जड़ है। शारीरिक गतिविधि जैसे नियमित रूप से योग-व्यायाम और खेलकूद से वजन को नियंत्रित किया जा सकता है और इससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। योग एवं आयुर्वेद में आशावादी दृष्टिकोण एवं आहार संयम को अपनाने की बात की जाती है।

कौन लेगा इन नवजात शिशुओं की मौत की जिम्मेदारी

उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट में हुए अग्निकांड ने प्रदेश ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश को हिलाकर रख दिया है। इस दिल दहला देने वाले अग्निकांड में 10 नवजात बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 17 मासूमों की हालत नाजुक बताई गई है। अस्पताल ने जानकारी दी कि एनआईसीयू में कुल 54 नवजात शिशु भर्ती थे। बावजूद इसके सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं थेख जिस कारण यह दर्दनाक अंग्निकांड मासूमों की मौत का कारण बना। भयावह आग कैसे लगी यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन आग न लगे और आग लगने पर बुझाने और सुरक्षा के बेहतर इंतजाम पहले से क्यों नहीं थे, यह जरुर शासन-प्रशासन की लचर व्यवस्था को उजागर करने के लिए काफी है। सबसे गंभीर और विचारणीय बात यह है कि इस घटना के बाद मालूम चला कि अस्पताल का फायर अलार्म और वॉटर स्प्रिंकलर ने काम ही नहीं किया, जिससे बचाव कार्य समय पर शुरू नहीं किया जा सका। अस्पताल के फायर एक्सटिंग्विशर एक्सपायरी हालत में थे और आग बुझाने के वैकल्पिक इंतजाम का कोई अता-पता नहीं था। मतलब यह कि सब भगवान भरोसे चल रहा था।

यह हादसा न केवल उन परिवारों के लिए एक अपार दुःख का कारण बना, जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया, बल्कि आधुनिक समाज और चुस्त प्रशासन के लिए भी गंभीर सवाल खड़े करता है। इस घटना ने प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस घटना के बाद सवाल उठना लाजमी है कि क्या यूपी समेत देश के अन्य राज्यों में भी अस्पतालों में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपाय हैं? क्या कर्मचारियों को इस प्रकार की आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया गया है? क्या आवश्यक चिकित्सा उपकरण और प्रणालियाँ सुरक्षा मानकों के अनुरूप हैं? ये वे सवाल हैं, जिनका उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ ही साथ समाज के जिम्मेदारों को भी देना होगा। किसी बड़ी दुर्घटना होने के बाद जैसा कि होता आया है, वैसे ही उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भी घटना की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन भी दे दिया है। मृतकों के परिजनों समेत घायलों के इलाज के लिए मुआवजे की घोषणाएं भी हो रही हैं। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कांग्रेस के अनेक नेताओं समेत अनेक राजनीतिक हस्तियों ने इस घटना पर गहरा शोक भी व्यक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे हृदयविदारक घटना करार दिया है, जिससे समझा जाना चाहिए कि अब आगे से ऐसा न हो, इस पर गंभीरता से न सिर्फ विचार किया जाएगा बल्कि इंतजाम भी बेहतर किए जाएंगे और मासूमों की मौत जो हुई है, उसकी जिम्मेदारी भी उच्च स्तर पर तय कर दोषियों को वाकई सजा दी जाएगी। संपूर्ण देशवासियों की संवेनाएं पीड़ित परिवारों के प्रति है। इसी मानवीयता के साथ आगे इस तरह की अन्य कोई घटना न हो, इस पर जरुर काम होना चाहिए। ऐसा इसलिए भी जरुरी है, क्योंकि फिर विपक्ष के पास इस तरह के हादसे को लेकर प्रशासन की लापरवाही और राज्य सरकार की विफलताओं को रेखांकित कर निशाना साधने का अवसर भी नहीं रहेगा। यह हादसा न केवल एक चिकित्सा संस्थान की सुरक्षा प्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह एक गंभीर चेतावनी भी है कि स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही ऐसे संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की महति आवश्यक्ता है। यह घटना प्रशासनिक जिम्मेदारियों की उपेक्षा और अपर्याप्त सुरक्षा उपायों को उजागर करती है, जिनकी वजह से उन मासूमों की जान चली गई, जिन्होंने इस दुनियां में तो पदार्पण किया, लेकिन ठीक से आंख खोलकर भी नहीं देखा कि वो किस नर्क में आ गए। ये वो नौनिहाल थे, जो आगे चलकर देश का भविष्य बेहतर करने में अपनी सहभागिता निभा सकते थे, लेकिन अफसोस कि हमारे कठोर होते तंत्र ने उन्हें किसी दुर्घटना से बचाने का माकूल इंतजाम तक नहीं किया। बहरहाल उम्मीद तो यही है कि सरकार और प्रशासन तत्काल प्रभाव से ऐसे हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम जरुर उठाएंगे। इस त्रासदी ने देश को झकझोर कर रख दिया है और इस समय पूरे देश की नजर उन परिवारों की तरफ है, जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है, और यह भी कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

हिदायत अहमद खान
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

समता की अनुभूति...

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है-स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान। जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ?सा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

विदेशी निवेशकों के रुख, वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

मुम्बई ■

विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की व्यापारिक गतिविधियां और वैश्विक रुझान से आगामी शेयर बाजारों की दिशा तय हो सकती है। प्रमुख शेयर बाजार बीएसई और एनएसई ने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को कारोबारी अवकाश घोषित किया है।

288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को होंगे और मतगणना 23 नवंबर को होगी। बाजार के एक विशेषज्ञ के मुताबिक महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के कारण 20 नवंबर दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेगा। चुनाव परिणाम, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, डॉलर सूचकांक प्रदर्शन, अमेरिकी बेरोजगारी दावे, नवीनतम विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़े और जापान के मुद्रास्फीति आंकड़ों सहित प्रमुख वैश्विक आर्थिक संकेतक बाजार की दिशा को आकार देने में महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में बॉन्ड पर उच्च प्रतिफल और चुनाव के बाद डॉलर में मजबूती ने भारत जैसे उभरते बाजारों को प्रभावित किया है और एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) गतिविधि एक प्रमुख कारक बनी हुई है, जो निकट भविष्य में भारतीय इक्विटी को प्रभावित कर रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की चाल और रुपया-डॉलर का रुख भी बाजार में कारोबार को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह भी छुट्टी के कारण छोटा है, और आय सत्र के लगभग समाप्त हो जाने के कारण, ध्यान फिर से एफआईआई प्रवाह पर चला जाएगा। विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले डेढ़ महीने से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त व्यापारी वैश्विक बाजार के रुझानों पर कड़ी नजर रखेंगे। शुक्रवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे। बीएसई बेंचमार्क सूचकांक अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से 8,397.94 अंक या 9.76 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ बंद हुआ और निफ्टी भी रिकॉर्ड उच्च स्तर से 2,744.65 अंक या 10.44 प्रतिशत नीचे आ गया है।

शेयर बाजार
साप्ताहिक समीक्षा

भारत का रत्न और आभूषण निर्यात 25000 करोड़ के पार

नई दिल्ली ■

रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने अक्टूबर माह में भारत के रत्न और आभूषण निर्यात में 9.18 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इस बढ़ोतरी के फलस्वरूप निर्यात राशि 2,998.04 मिलियन अमरीकी डॉलर यानी 25,194.41 करोड़ रुपये हो गई है। जीजेईपीसी ने बताया कि कटे और पॉलिश किए गए हीरे की मांग में सुधार के कारण निर्यात में इस तरह की वृद्धि देखी गई है। सीपीडी (कट और पॉलिश्ड डायमंड) का भी निर्यात अक्टूबर माह में 11.32 प्रतिशत बढ़कर 1,403.59 मिलियन अमरीकी डॉलर (11,795.83 करोड़ रुपये) हो गया है, जो पिछले साल की रिकॉर्ड की तुलना में अधिक है। जीजेईपीसी के एक अ?धिकारी ने इस वृद्धि को उद्योग के लिए एक स्वागत योग्य माना और उम्मीद जताई कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने पर भी आशावाद जताई है और उसके वादे के प्रति भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के नेतृत्व में व्यापार, व्यवसाय और आपूर्ति श्रृंखलाओं में पुनरुद्धार के समर्थन से रत्न और आभूषणों की वैश्विक मांग को बढ़ावा मिलेगा। इस सफलता के साथ भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग ने नए भागों में विस्तार के लिए कदम उठाने का निश्चय किया है।

वेदांता हर क्षेत्र में बढ़ाएगा उत्पादन: अनिल अग्रवाल

मुंबई। भारतीय तेल और गैस कंपनी वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने एक उत्कृष्ट समय पर उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कंपनी वर्ष 2024 में पांच लाख बैरल तेल और गैस का उत्पादन करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही कंपनी ने कच्चे तेल और जस्ता सहित सभी क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ाने पर विचार करने की भी संकल्पितता जताई है। अग्रवाल ने हाल के समय में आयोजित एचटी लीडरशिप समिट में भाग लेते हुए कहा कि तामिलनाडु के तूतीकोरिन तांबा संयंत्र के बंद होने को एक छोटी विफलता मानते हुए उन्होंने कहा ?कि ये मेरे लिए सबसे बड़ा काम है। उन्होंने विफलताओं को एक सफलता के माध्यम के रूप में देखा और कहा ?कि जितनी अधिक विफलताएं होंगी, उतनी ही अधिक सफलता मिलेगी। यह विफलता आपकी सफलता की पहली सीढ़ी है।

2.2 करोड़ में बिकी 32 साल पुरानी फोर्ड एस्कॉर्ट आरएस कॉसवर्थ कार

नई दिल्ली ■

फोर्ड एस्कॉर्ट आरएस कॉसवर्थ कार ने नीलामी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है। 32 साल पुरानी यह 2.2 करोड़ रुपये में नीलाम हो गई है। अब तक किसी भी फोर्ड एस्कॉर्ट के लिए मिली यह सबसे ऊंची बोली है। इस कार ने अपने पूरे जीवन में महज 3,575 किलोमीटर ही चलाए हैं।

पिछले 30 वर्षों से यह कार एक लिविंग रूम में रखी गई थी और कभी सड़क पर नहीं उतरी। 90 के दशक में यह कार युवा ड्राइवर्स के बीच बेहद पॉपुलर थी और इसे किंग ऑफ द बॉय रेसर के नाम से जाना जाता था। फोर्ड की इस विशेष मॉडल ने उस समय अपनी शानदार डिजाइन और प्रदर्शन के कारण बड़ी पहचान बनाई थी। एस्कॉर्ट आरएस कॉसवर्थ की यह विशेष और लिमिटेड एडिशन मॉडल होने की वजह से क्लासिक कार कलेक्टर्स के बीच अत्यधिक आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह कार अब उन लोगों के पास जाएगी जो ऐसे दुर्लभ और ऐतिहासिक वाहनों को कलेक्ट करना पसंद करते हैं। कार की कम दूरी और बेहद अच्छे कंडीशन में होने के कारण इसे नीलामी में उच्च मूल्य पर बेचा गया। पुराने और क्लासिक कार कलेक्टर्स के बीच इस नीलामी ने खासा उत्साह और चर्चा पैदा की है।

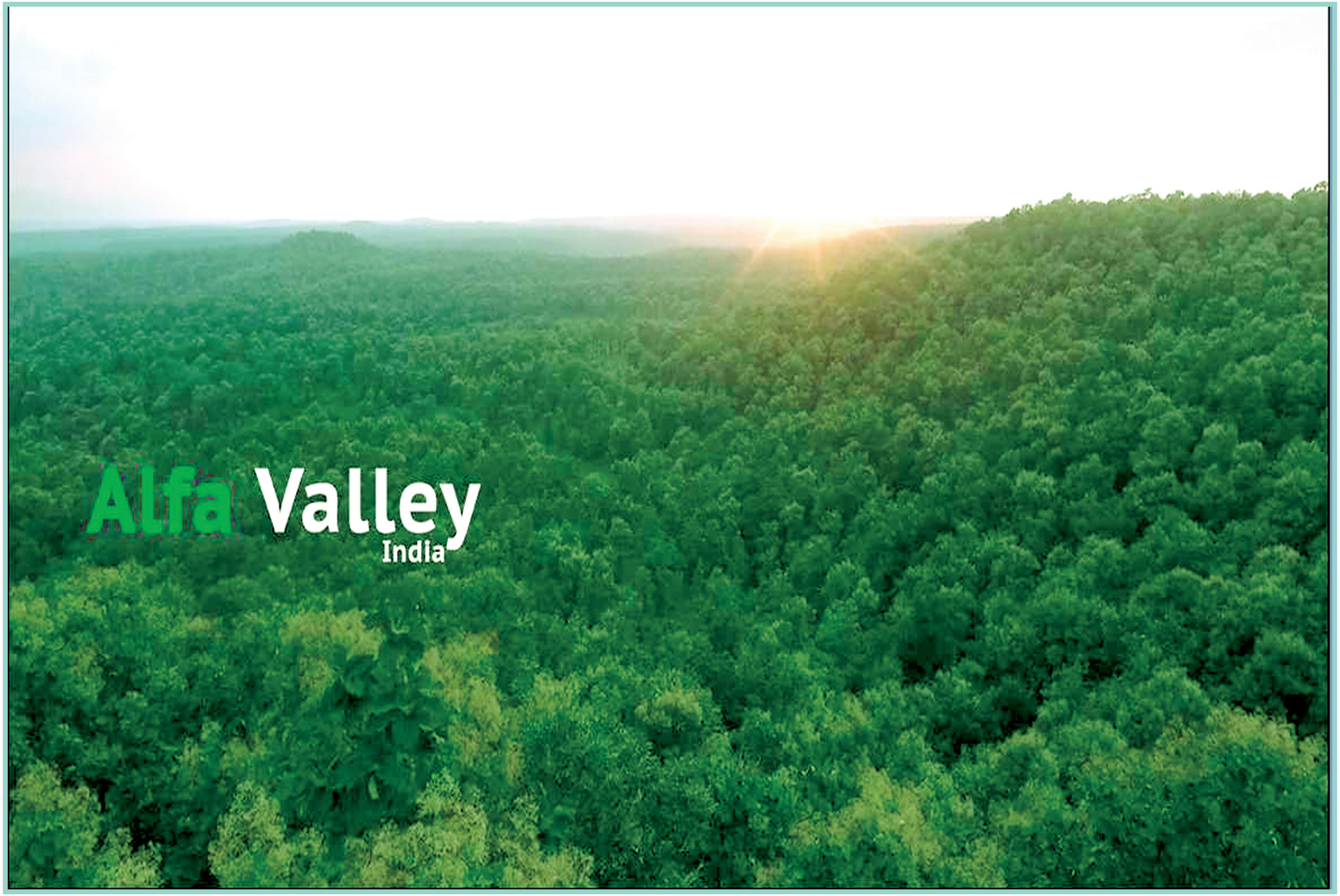
Alfa Valley
India

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

SPORTS

मनोरंजन

नशीली दवा पिलाकर मुझे बेहोश करने की कोशिश की: रश्मि देसाई

हाल ही में एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने खुलासा किया कि उन्हें 16 साल की उम्र में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। रश्मि देसाई ने बताया कि, 'इंटरनेट पर पहले ही ऐसी कई कहानियां भरी पड़ी हैं। मुझे याद है कि एक दिन ऑडिशन के लिए बुलाया था। मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड थी। मैं पहुंच गई, लेकिन वहां सिर्फ एक शख्स के अलावा कोई नहीं था। वहां कोई कैमरा भी नहीं था। उसने मेरी ड्रिंक में नशीली दवा पिलाकर मुझे बेहोश करने की पूरी कोशिश की। मैं कहती रही कि मुझे ये सब नहीं करना है। लेकिन वह मेरे दिमाग को कंट्रोल में करना चाहता था। लेकिन जैसे-तैसे मैं किसी तरह वहां से निकली और घर आकर मां को सबकुछ बता दिया।रश्मि देसाई ने कहा, 'मुझे याद है कि अगले दिन, मैं अपनी मां के साथ उस शख्स से मिलने गई और मेरी मां ने उसे एक तमाचा मारा, ताकि उसे सबक सिखाया जा सके। कास्टिंग काउच एक हकीकत है। लेकिन हर इंडस्ट्री में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे कुछ शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जिनके साथ मेरा वर्क एक्सपीरियंस काफी अच्छा रहा। भगवान ने मेरी मदद की।' बता दें, रश्मि देसाई टीवी इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वो उतरन और दिल से दिल तक जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं। अब वो जल्द ही हिंदी फिल्म मिशन लैला, हिसाब बराबर में नजर आएंगी।

तलाक के बाद भी किरण से बेहतर पति बनने की टिप्स मांगता हूं: आमिर खान

सोलह साल साथ बिताने के बाद एक्टर आमिर खान और किरण राव अब अलग-अलग हो चुके हैं, इसके बावजूद उनके बीच बेहतर बांडिंग देखी जा सकती है। दोनों ने अब हाल ही में अपने सक्सेसफुल कोलैब्रेशन को लेकर बात की। इस बारे में आमिर ने कहा कि तलाक ने उनके पर्सनल और प्रोफेशनल रिलेशनशिप को खराब नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह तलाक के बाद भी किरण से बेहतर पति बनने की टिप्स मांगते हैं। वहीं कहते हैं कि अगर किरण मुझसे पूछें तो मैं उन्हें भी अच्छी पत्नी बनने की सलाह दे सकता हूं। दरअसल, एक ताजा इंटरव्यू में किरण ने कहा कि आमिर के साथ काम करके मजा आता है। वह पावरहाउस हैं। वहीं आमिर ने कहा कि तलाक एक अलग टॉपिक है लेकिन क्रिएटिव इंसान की तरह हम साथ में काफी अच्छा करते हैं। हमें एक-दूसरे के आइडिया पसंद आते हैं। किरण आगे कहती हैं कि कई चीजें हैं जो हमें पसंद हैं। लेकिन जब कोई चीज पसंद नहीं होती तो मैं उनके पास जाती हूं और वह अच्छे से समझाते हैं। हम एक-दूसरे के ओपीनियन की काफी रिस्पेक्ट करते हैं। यही वजह है कि हमारी पार्टनरशिप इतनी लंबी चली। आमिर फिर मस्ती करते हुए कहते हैं कि वह कई बार किरण से अच्छे पति होने की सलाह मांगते हैं। इस पर किरण कई पॉइंट्स बता देती हैं। वह कहती हैं कि मैं बहुत ज्यादा बोलता हूं। अगर हम कहीं बाहर जाते हैं या मेहमान हमारे घर आते हैं तो मैं बहुत बातों में लग जाता हूं और कई स्टोरी सुनाता हूं। किरण फिर पूछती हैं कि अब आप पब्लिकली सब बताओगे तो आमिर बोलते हैं तू चुप रह।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो विवादों में, रवींद्रनाथ टैगोर की विरासत का अपमान

कपिल शर्मा का कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो इन दिनों विवादों में है। हाल ही में बोंगो भाषी महासभा फाउंडेशन (बीबीएमएफ) ने शो पर रवींद्रनाथ टैगोर की विरासत का अपमान करने और सांस्कृतिक व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। इसके बाद शो के मेकर्स को नोटिस दिया है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस को भी मामले में नोटिस मिला है। हालांकि, सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस ने इन बातों को अफवाह बताया है। उन्होंने कहा कि सलमान खान या उनके प्रोडक्शन हाउस का द ग्रेट इंडियन कपिल शो से कोई संबंध नहीं है। प्रोडक्शन हाउस ने बयान जारी कर कहा, नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने वाले द ग्रेट इंडियन कपिल शो से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि सलमान के प्रोडक्शन हाउस को नोटिस मिला है, लेकिन यह सही नहीं है। विवाद तब शुरू हुआ जब शो के एक हालिया एपिसोड में कृष्णा अभिषेक ने एक स्किट पेश की थी, जिसमें उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर के प्रसिद्ध गीत एकला चलो रे का मजाक उड़ाया था। इस स्किट को लेकर बंगाली समुदाय में नाराजगी हैं, और कुछ व्यक्तियों ने इस हरकत को टैगोर की विरासत का अपमान बताया। इसके बाद श्रीजातो नामक बंगाली कवि और अन्य कई लोग कानूनी कार्रवाई की धमकी देने लगे।

मैत्री फुटबॉल मैच में मलयेशिया से भिड़ेगा भारत, टीम इंडिया की नजरें साल की पहली जीत पर

हैदराबाद ■

मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज के नेतृत्व में पहली और साल की भी पहली जीत की तलाश में जुटी भारतीय फुटबॉल टीम सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में चिर-प्रतिद्वंद्वी मलयेशिया से भिड़ेगी। सीनियर खिलाड़ी और सेंट्रल डिफेंडर संदेश झिंगन की वापसी से भारत को मजबूती मिलेगी। वह पिछली बार जनवरी में एएफसी एशियाई कप में राष्ट्रीय टीम की ओर से खेले थे। वह घुटने की चोट से उबर चुके हैं।

भारतीय टीम ने 2024 में अब तक 10 मैच खेले हैं जिनमें से छह में उसे हार का सामना करना पड़ा और चार ड्रॉ रहे। टीम ने अब तक मनोलो के नेतृत्व में तीन मैच खेले हैं जिन्हें जुलाई में इगोर स्टिमक की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। इसमें से एक मैच भारत ने गंवाया जबकि दो ड्रॉ रहे। भारत ने सितंबर में गचीबाउली स्टेडियम में इंटरकांटिनेंटल कप में मॉरीशस के खिलाफ ड्रॉ खेला था और सीरिया से 0-3 से हार गया था। सोमवार को इसी स्टेडियम में मैच होगा। भारत ने 12 अक्तूबर को नाम दिन्ह में वियतनाम के खिलाफ अपना पिछला मुकाबला 1-1 से ड्रॉ खेला था। अगर भारतीय टीम सोमवार को सकारात्मक परिणाम हासिल नहीं करती है तो वह 11 मैच में जीत के बिना साल का अंत करेगी। सोमवार का मैच अगले साल मार्च में होने वाले 2027 एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारत का आखिरी मैच भी हो सकता है। भारत-मलयेशिया की फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता काफी पुरानी है। 1957 में कुआलालंपुर में एक दोस्ताना मैच में दोनों टीम पहली बार आपस में भिड़ी थी। भारत ने वह मैच 3-0 से जीता था। दोनों टीम अब तक 32 बार आपस में खेल चुकी हैं जिसमें मलयेशिया ने पिछले साल के मर्डेका टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पिछला मुकाबला 4-2 से जीता था। यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भारत द्वारा खेले गए सबसे अधिक मैच हैं। मलयेशिया के बाद पाकिस्तान (29 मैच) और बांग्लादेश (28 मैच) का नंबर आता है। भारत और मलयेशिया ने अब तक 12-12 मैच जीते हैं जबकि आठ मैच ड्रॉ रहे हैं। मौजूदा फीफा रैंकिंग में भी अधिक अंतर नहीं है। भारत 125वें जबकि मलयेशिया 133वें स्थान पर है।

मलयेशिया में भी पिछले साल से कोचिंग स्टाफ में बदलाव

मलयेशिया 14 नवंबर को मैत्री मैच में लाओस पर 3-1 से जीत के बाद इस मैच में उतरेगा। भारत की मौजूदा टीम में पिछले महीने मर्डेका टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले में खेलने वाले नौ खिलाड़ी गुरप्रीत सिंह संधू, संदेश झिंगन, मेहताब सिंह, विशाल कैथ, नाओरेम रोशन सिंह, अमरिंदर सिंह, लिस्टन कोलासो, लालियानजुआला चांगटे और सुरेश सिंह वांगजाम शामिल हैं। दूसरी ओर मलयेशिया की 26 सदस्यीय टीम में से 14 पिछले साल टीम में थे। टीम के अधिकतर खिलाड़ी तीन क्लबों जोहोर दारुल ताजिम एफसी, तेरेंगानु एफसी और कुआलालंपुर सिटी एफसी की ओर से खेलते हैं। भारत की तरह मलयेशिया में भी पिछले साल से कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुए हैं। मलयेशिया के कोच पाउ मार्टी भी मनोलो की तरह स्पेन से हैं और बार्सीलोना में बिताए समय से एक-दूसरे को जानते हैं। मनोलो की तरह मार्टी ने भी जुलाई में कार्यभार संभाला था जब मलयेशिया फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा था।

लगातार 4 हार के बाद तमिल थलाइवाज ने चखा जीत का स्वाद, बंगाल वारियर्स को 15 अंक से हराया

नई दिल्ली ■

तमिल थलाइवाज ने लगातार चार हार के बाद फिर से जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। नोएडा इंडोर स्टेडियम में शनिवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वे सीजन के 57वें मैच में थलाइवाज ने बंगाल वारियर्स को 46-31 के अंतर से हराया। डिफेंस द्वारा जुटाए गए 19 प्वाइंट्स की मदद से थलाइवाज को 10 मैचों में चौथी जीत मिली जबकि बंगाल को लगातार तीसरी हार मिली।

थलाइवाज की जीत में रेडिंग से विशाल चहल (12), नरेंदर कंडोला (5) और मोइन शफागी (6) और डिफेंस से नितेश कुमार (6), आमिर हुसैन बस्तामी (7) का योगदान रहा। बंगाल की बात करें तो रेडिंग में नितिन (8) और विश्वास (9) के अलावा डिफेंस से नितेश (4) और फजल अतराचली (4) ने अच्छा प्रदर्शन किया। इस अहम मुकाबले में वारियर्स ने अच्छी शुरुआत कर 10 मिनट बाद 10-6 की लीड बना ली थी। इसमें विश्वास के सुपर रेड का योगदान है। दोनों टीमों ने हालांकि सावधान शुरुआत की थी। चार मिनट बाद स्कोर 2-2 था और फिर 4-4 हुआ लेकिन फिर बंगाल ने नितेश के टैकल्स की बदौलत तीन अंक की लीड लेकर विश्वास के सुपर रेड का इंतजार किया। ब्रेक के बाद थलाइवाज ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 9-10 किया। फिर चार के डिफेंस विशाल ने सुपर रेड करते हुए न सिर्फ थलाइवाज को आगे किया बल्कि बंगाल को आलआउट की ओर धकेल दिया। फजल आए। बोनस लिया और लपके गए। पासा पलट चुका था। थलाइवाज 15-11 से आगे थे। आलइन के बाद बंगाल ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 13-15 किया लेकिन सचिन की जगह खेल रहे विशाल ने फासला तीन का कर दिया। अगली रेड पर विशाल ने फजल का शिकार कर बंगाल को बड़ा झटका दिया। फिर डू ओर डाई रेड पर विश्वास को लपक थलाइवाज ने स्कोर 18-13 कर लिया।

डेविस कप में एकल मुकाबलों से बाहर रह सकते हैं नडाल

मैड्रिड ■

राफेल नडाल को अगर लगता है कि वह स्पेन में अपने विदाई टूर्नामेंट में टीम को सफलता दिलाने में सक्षम नहीं हैं तो वह मलागा में डेविस कप फाइनल में एकल मुकाबलों से बाहर रहने को तैयार हैं। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल डेविस कप के बाद संन्यास ले रहे हैं। टूर पर 20 साल के अपने करियर के अंतिम पड़ाव में नडाल चोटों से परेशान रहे।

स्पेन के 38 वर्षीय नडाल ने शनिवार को स्पेनिश टेनिस महासंघ द्वारा प्रकाशित साक्षात्कार में मालागा से कहा, %मैं जितनी संभव हो उतनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी करने की कोशिश करूंगा ताकि मैं खेलने के लिए उपलब्ध रह सकूं क्योंकि मैं किसी भी तरह से मदद करना चाहता हूं, चाहे मैं खेलूं या नहीं खेलूं। उन्होंने कहा, सबसे पहले हमें यह देखना होगा कि मैं ट्रेनिंग में कैसा महसूस कर रहा हूं। अगर मैं खुद को एकल में जीतने के लिए तैयार नहीं देखता तो मैं पहला व्यक्ति रहूंगा जो खेलना नहीं चाहेगा। वर्ष 2024 में नडाल का एकल में जीत-हार का रिकॉर्ड 12-7 है। उनकी आखिरी आधिकारिक प्रतियोगिता अगस्त में पेरिस ओलंपिक थी जिसमें वह अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी और अंततः स्वर्ण पदक जीतने वाले नोवाक जोकोविच से दूसरे दौर में हार गए थे। वह कार्लोस अल्काराज के साथ युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। पिछले महीने उन्होंने सऊदी अरब में दो प्रदर्शनी मैच खेले। नडाल ने कहा, मैंने पहले ही (स्पेन के कप्तान डेविड फेरर को) कई मौकों पर कहा है कि वे इस तथ्य के आधार पर कोई निर्णय नहीं लें कि यह पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरा आखिरी सप्ताह है। उन्होंने कहा, टीम सबसे पहले आती है और उसे मेरे कारण होने वाली किसी भी हाइप से जरा भी प्रभावित नहीं होना चाहिए।

अंजिक्य नहीं श्रेयस अय्यर करेंगे मुंबई की कप्तानी, पृथ्वी शॉ की भी हुई वापसी

नई दिल्ली ■

डोमेस्टिक टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत 23 नवंबर से होने जा रही है। इसके लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने 17 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में सौंपी गई है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज और रणजी टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे बतौर बल्लेबाज अय्यर के नेतृत्व में खेलते हुए नजर आएंगे।

मुंबई की टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), पृथ्वी शॉ, अंगकृष रघुवंशी, जय बिस्टा, अजिंक्य रहाणे, सिद्धेश लाड, सूर्यांश शेडगे, साईराज पाटिल, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), आकाश आनंद (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, हिमांशु सिंह, तनुष कोटियन, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, रॉयस्टन डायस और जुनेद खान।

पहले रिपोर्ट्स आई थी कि रहाणे ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी मुंबई का नेतृत्व करेंगे। लेकिन टी20 फॉर्मेट को ध्यान में रखते हुए अय्यर को कप्तान बनाया गया है। एमसीए की सीनियर चयन समिति ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 के लिए टीम का चयन करने के लिए बैठक की है। एमसीए के एक अधिकारी ने कहा, 'अय्यर सैयद मुश्ताक अली के लिए मुंबई की टी20 टीम की अगुआई करेंगे और शॉ को भी शामिल किया गया है। रहाणे अय्यर की कप्तानी में खेलेंगे क्योंकि एमसीए को लगता है कि अय्यर इस प्रारूप के लिए सही विकल्प हैं। अय्यर अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 का खिताब जीता चुके हैं। इस टीम में पृथ्वी शॉ कि भी वापसी हुई है। इससे पहले शॉ को फिटनेस कारणों से रणजी ट्रॉफी के मैच से बाहर कर दिया गया था। एमसीए का मानना है कि पृथ्वी ने अपनी फिटनेस में सुधार किया है और वो सफेद गेंद के क्रिकेट में टीम के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे, मुशीर खान और तुषार देशपांडे अभी भी अपनी चोटों से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और यही मुख्य कारण है कि एमसीए ने उन्हें नहीं चुना।

पर्थ के मैदान पर भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है नाथन लायन

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया में भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा नाथन लायन का यहां पर किया गया प्रदर्शन है। पिछले 10 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया के लिए अकेले स्पिन का मोर्चा नाथन लायन संभालते आ रहे है। वह अब तक 530 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों को अपना शिकार बना चुके हैं। नाथन लायन का पर्थ के मैदान से खास रिश्ता है। उनके प्रदर्शन का स्तर यहां उन्हें भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा बनाता है।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां,
घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा तात्कालीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज पेपर न्यूज चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

LiTTAL®
www.pramodmarutiparts.com

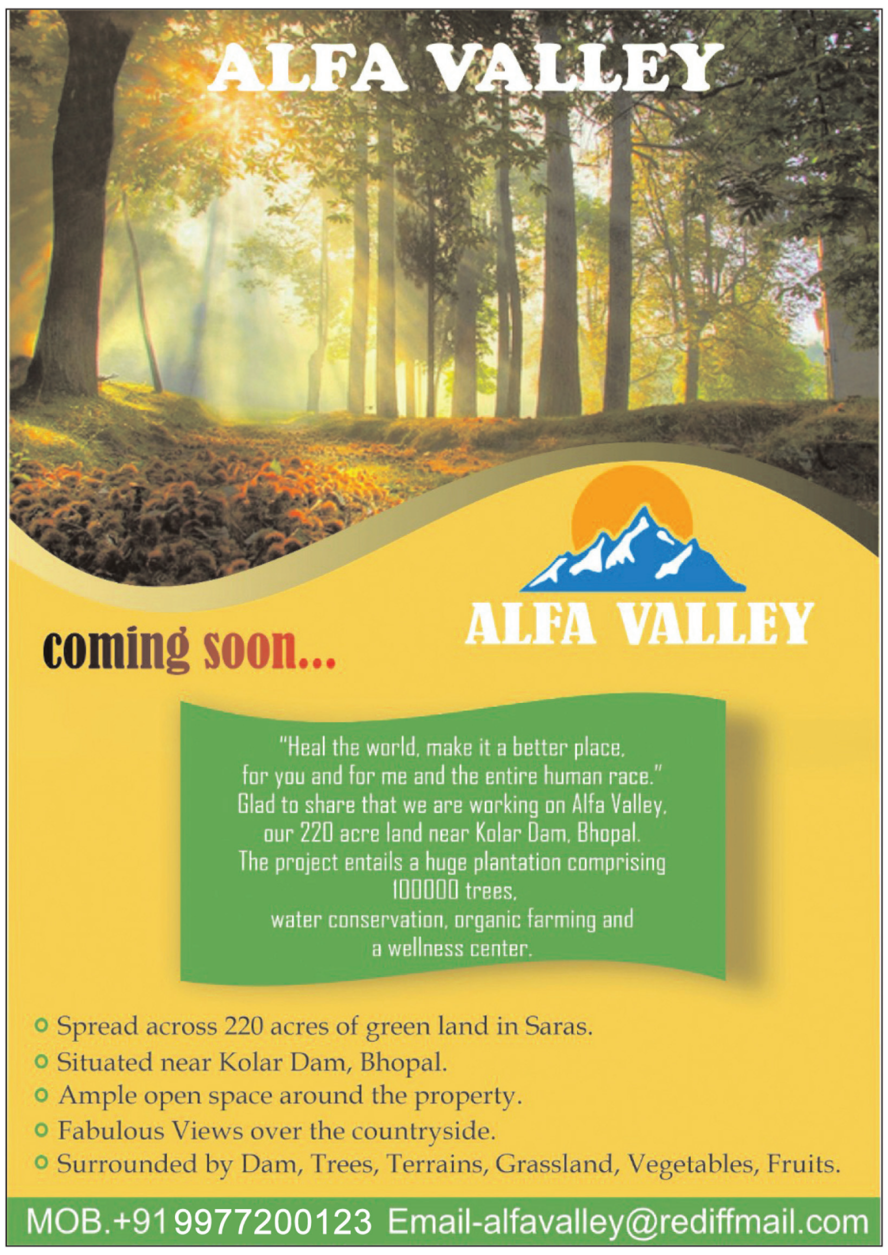

ALFA VALLEY
coming soon...
ALFA VALLEY
"Heal the world, make it a better place,
for you and for me and the entire human race."
Glad to share that we are working on Alfa Valley,
our 220 acre land near Kolar Dam, Bhopal.
The project entails a huge plantation comprising
100000 trees,
water conservation, organic farming and
a wellness center.
- Spread across 220 acres of green land in Saras.
- Situated near Kolar Dam, Bhopal.
- Ample open space around the property.
- Fabulous Views over the countryside.
- Surrounded by Dam, Trees, Terrains, Grassland, Vegetables, Fruits.
MOB.+919977200123 Email-alfavalley@rediffmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com